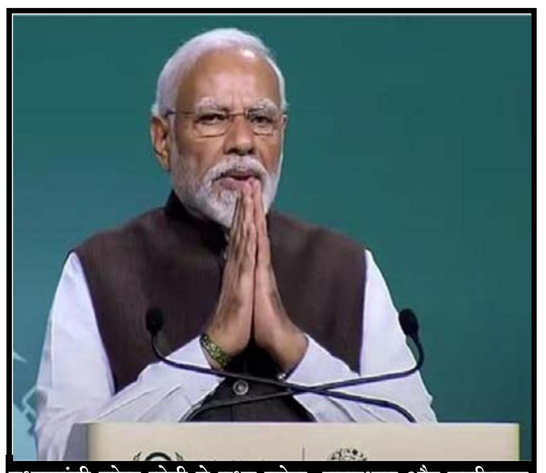

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर रविवार को कहा कि यह दर्शा रहा है कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन एवं विकास की राजनीति करने वाले में है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी
हिन्दी दैनिक
R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 209 दिनांकः 04-12-2023 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल से मुलाकात के बाद उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों की बैठक मंगलवार सुबह होगी।

चारों राज्यों में आए चमत्कारिक परिणाम -3 पर भाजपा तो एक पर कांग्रेस

-प्रधानमंत्री मोदी का जादू रहा बरकरार

-एग्जिट पोल्स नहीं पढ़ पाए जनता के मन की बात

नई दिल्ली,(ईएमएस)ँ भारतीय जनता पार्टी ने पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे रख कर लड़ा था, ऐसे में चार राज्यों में से तीन पर भाजपा का आना साबित करता है कि प्रधानमंत्री मोदी का जादू बरकरार हैं रविवार 3 दिसंबर को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ यानी 3 राज्यों की अप्रत्याशित जीत सही मायने में प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर मोहर लगाने जैसी रही हैं ऐसे में कहा जा रहा है कि अधिकांश एग्जिट पोल्स भी जनता के मन की बात को नहीं भांप पाए और उन्होंने जो अनुमान लगाया उससे कहीं ज्यादा सीटों के साथ भाजपा तीन राज्यों में सत्ता में आती दिख रही हैं

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना की कुल 639 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव के परिणाम आज रविवार को घोषित करने के लिए मतगणना जारी है। मतगणना के साथ जो रुझान सामने आए हैं, उसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत से ज्यादा सीटें लेती नजर आ रही है, जबकि कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को मुकाबले में सीधी टक्कर देते हुए पीछे छोड़ सरकार बनाने का आंकड़ा पार करने का रुझान पाया हैं एक अन्य राज्य मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना कल सोमबार को होना हैं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला है।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ा

शाम सात बजे तक की मतगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में भाजपा ने 100 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है और 64 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं यहां कांग्रेस ने 28 सीटों को जीत, 37 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं इनके अतिरिक्त 1 सीट पर भारत आदिवासी पार्टी को बढ़त मिली हैं इस प्रकार मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में भाजपा ने 164 सीट पर काबिज होने का रुझान पाया है। यहां कांग्रेस 65 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि एक सीट पर भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी ने बढ़त बनाई है। नतीजों व रुझान को देखते हुए मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जश्न मनाना शुरु कर दिया हैं खुशी के साथ एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते कार्यकर्ता व नेता फोटो व वीडियो भी वायरल कर रहे हैं। भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर ठुमके लगाए हैं

राजस्थान का रिवाज बरकरार

राजस्थान में भाजपा को 115 सीट 109 जीतीं, 6 पर आगे, कांग्रेस 61 जीती और 8 पर बढ़त बनाए हुए है, भारत आदिवासी ने 3 सीटें जीत ली हैं, बसपा ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है, राष्ट्रीय लोकदल एक पर आगे है, जबकि 5 निर्दलीय जीतें और 3 पर बढ़त बनाए हुए हैं इस तरह से राजस्थान में भी भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को टक्कर देते हुए बहुमत के आंकड़े से आगे निकल गई हैं दरअसल यहां का मतदाता हर पांच साल में सत्ता धारी पार्टी को बदलने का मिजाज रखती हैं भाजपा की जीती हुई सीटों और रुझान ने यह साबित कर दिया है कि राजस्थान में रिवाज कायम है।

छत्तीसगढ़ में दिखा मोदी का जादू

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 26 सीटें जीत लीं है, जबकि 28 पर बढ़त बनाए हुए हैं कांग्रेस ने 17 जीती हैं और 19 पर बढ़त बनाए हुए हैं इससे पहले छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, बीजेपी से आगे थी और बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला होने जा रहा है, लेकिन जैसे-जैसे शाम होने को आई भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली। यहां की 90 में से 54 सीटों पर बीजेपी आगे है जबकि कांग्रेस 36 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। यहां सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी के जादू के चलने की बात की जा रही है, क्योंकि कांग्रेस बहुत मजबूती से चुनाव मैदान में उतरी थीं

तेलंगाना में राहुल ने पलटी बाजी

तेलंगाना में कांग्रेस ने 52 सीटों पर जीत दर्ज की है और 12 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं बीआरएस ने 30 सीटें जीती हैं और 9 पर बढ़त बनाए हुए हैं यहां भाजपा ने भी बेहतर परफार्म करते हुए 7 सीटों पर जीत दर्ज की है और 1 पर बढ़त कायम हैं एआईएमआईएम ने 2 सीटें जीती हैं और 5 में बढ़त बनाए हुए है, सीपीआई ने 1 सीट जीती हैं इस प्रकार जहां तेलंगाना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाजी को पलटने जैसा काम किया वहीं हैट्रिक की उम्मीद लगाए बैठे केसीआर की बीआरएस को तगड़ा झटका लग चुका हैं

चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदला, इसके 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश से टकराने की आशंका

भुवनेश्वर (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदल गया है। इसके 5 दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 80-90 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुलेटिन में यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस चक्रवात के कारण दक्षिणी ओडिशा के अधिकतर हिस्सों में एवं राज्य के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है।

चक्रवात मिगजॉम नाम म्यांमा ने सुझाया है और इसका अर्थ ताकत या लचीलापन है। मौसम एजेंसी ने कहा कि दबाव क्षेत्र के कारण बनी प्रणाली पिछले 6 घंटों में 5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ी और एक चक्रवाती तूफान में बदल गई। जो सुबह साढ़े 5 बजे पुडुचेरी से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 310 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 440 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, बापटला से 550 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 550 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में केंद्रित थी।

इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए और तेज होने और 4 दिसंबर की दोपहर तक दक्षिणी आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया है कि इसके बाद यह उत्तर की ओर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट के लगभग समानांतर एवं करीब बढ़ेगा तथा पांच दिसंबर को पूर्वाह्न में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से एक चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराएगा।

इसके प्रभाव से ओडिशा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी तथा 4 से 6 दिसंबर के दौरान दक्षिण तटीय और आसपास के दक्षिण आंतरिक ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 5 दिसंबर को उसी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर के एक अधिकारी ने कहा कि इसके प्रभाव से ओडिशा में 3 दिसंबर को बारिश फिर से शुरू हो सकती है।

उन्होंने कहा कि रविवार को तटीय ओडिशा, नबरंगपुर, कालाहांडी और कंधमाल जिलों में एक या दो स्थानों पर या मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी। राज्य में 4 दिसंबर को मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना के मद्देनजर आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने बताया कि इसी तरह से मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम एवं पुरी में कई स्थानों पर मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा का अनुमान है। कंधमाल, नबरंगपुर, कालाहांडी, नयागढ़, खुर्दा, जगतसिंहपुर और कटक में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने 5 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उसने पूर्वानुमान जताया कि मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम के 5 जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। राज्य सरकार ने सभी तटीय और दक्षिणी जिलाधिकारियों को अलर्ट पर रखा है। कृषि विभाग के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ईसीओआर ने बारिश और हवा की संभावना को देखते हुए अपने अधिकार क्षेत्र में 54 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे अगली सूचना दिए जाने तक समुद्र में न जाएं क्योंकि समुद्र में स्थिति बेहद खराब रहेगी।

सबका साथ, सबका विकास की भावना जीती-नतीजों पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

नई दिल्ली(ईएमएस)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों और रुझानों को लेकर आज रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि यह जीत सबका साथ सबका विकास की भावना की जीत है। आज की विजय ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। आज ईमानदारी, पारदर्शिता और सुशासन की जीत हुई है। दरअसल पीएम मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत किया गया और उन्होंने उपस्थितों को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी के भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की विजय ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। आज सबका साथ, सबका विकास की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि मैं अक्सर कहता था कि नारी शक्ति ठान कर निकली है कि भाजपा का परचम लहराएंगी। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की भरसक कोशिशें की गईं, लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में 4 जातियां ही सबसे बड़ी जातियां है। जब मैं इन 4 जातियों की बात करता हूं तो हमारी नारी, युवा, किसान और हमारे गरीब परिवार होते हैं। इन 4 जातियों को सशक्त करने से ही देश भी सशक्त होगा।

पीएम मोदी ने कहा, कि चुनाव के नतीजों ने एक और बात स्पष्ट की है कि देश का युवा सिर्फ और सिर्फ विकास चाहता है। युवाओं के खिलाफ काम करने वाली सरकारें सत्ता से बाहर हुई हैं, चाहे वह राजस्थान हो या छत्तीसगढ़ और चाहे तेलंगाना हो। इन तीनों राज्यों में सत्ता में बैठे दल अब सत्ता से बाहर नजर आ रहे हैं।

चुनावी नतीजों में भाजपा को मिली जीत पर पीएम मोदी ने कहा, कि नारीशक्ति का विकास, भाजपा के विकास मॉडल का मुख्य आधार है। इसलिए इन चुनावों में महिलाओं ने, हमारी बहन-बेटियों ने भाजपा को खूब सारा आशीर्वाद दिया है। मैं पूरी विनम्रता से देश की हर बहन-बेटी से यही कहूंगा कि आपसे जो वादे भाजपा ने किए हैं, वो शत-प्रतिशत पूरे किए जाएंगे और यह मोदी की गारंटी है।

-तेलंगाना का आभार

पीएम मोदी ने तेलंगाना चुनाव परिणाम को देखते हुए कहा, कि मैं तेलंगाना की जनता और तेलंगाना भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता हूं। हर चुनाव में तेलंगाना में भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तेलंगाना के कार्यकर्ता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि भाजपा आपकी सेवा में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि मैं हमेशा ही भविष्यवाणियों से दूर रहा हूं, मैंने कभी बड़े वादे या घोषनाएं नहीं कीं, लेकिन इस चुनाव में मैंने इस नियम को भी तोड़ दिया। मौंने राजस्थान को लेकर यह भविष्यवाणी की थी कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार लौटकर नहीं आएगी और नतीजे सामने हैं।

शिवराज कैबिनेट के 12 मंत्री हारे

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश की दतिया से भाजपा प्रत्याशी और प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा चुनाव हार गए हैं। वह लगभग 8800 से अधिक वोटों से नरोत्तम मिश्रा को यह शिकस्त मिली है। कद्दावर नेता माने जाने वाले नरोत्तम मिश्रा को कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने पराजित किया है. इसी तरह शिववराज कैबिनेट के अन्य 12 मंत्री भी चुनाव जीतने में विफल रहे।

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने अपना किला सुरक्षित बचा लिया. रविवार को विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान भाजपा बहुमत के आंकड़े से भी ज्यादा सीटों पर सीटों पर आगे रही. लेकिन शिवराज सरकार के 33 मंत्रियों में से 12 चुनाव हार गए। जबकि एक मंत्री यशोधरा राजे सिंधियाने चुनाव नहीं लड़ा था. वहीं, ओपीएस भदौरिया का टिकट काट दिया गया था.हालांकि, बाकी मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में फतह हासिल करने में कामयाब रहे।

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री और बीजेपी प्रत्याशी नरोत्तम मिश्रा अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र भारती से 8800 से ज्यादा वोटों से हार गए हैं।

हरदा से कृषि मंत्री कमल पटेल, पोहरी से मंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा, बमोरी से मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया,बड़वानी से प्रेम सिंह पटेल,अटेर अरविंद सिंह भदौरिया, बदनावर से राजवर्धन सिंह दत्तीगांव औरपोहरी से सुरेश धाकड़ ने भी अपनी-अपनी सीट गंवा दी।

जारी रहेगी विचारधारा की लड़ाई : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस नेता व स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों व रुझानों को लेकर कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं, इस के बाद विचारधारा की लड़ाई आग भी जारी रहेगी।

आज रविवार को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों व रुझान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। रात होते-होते मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों के नतीजे साफ हो गए, जिसके बाद राहुल ने यह बयान दिया है। दरअसल राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। यहां आपको बतलाते चलें कि प्रजालु का अर्थ ऐसे लोग होता है जो आम लोगों के लिए काम करते हैं।

तेलंगाना डीजीपी सस्पेंड, चुनाव आयोग ने लिया एक्शन

नई दिल्ली,(ईएमएस) तेलंगाना में मतगणना और नतीजों के बीच डीजीपी को सस्पेंड कर दिया गया। आरोप है कि डीजीपी नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात करने पहुंचे थे। चुनाव आयोग ने इसे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर सख्त कार्रवाई की है।

जानकारी अनुसार तेलंगाना में चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार को सस्पेंड कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे भी सामने आ गए हैं। कांग्रेस पूर्ण बहुमत का आंकड़ा पार करती दिखी है। सूत्रों की मानें तो चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के डीजीपी पर कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखा है और डीजीपी अंजनी को निलंबित करने की सिफारिश की है। बताया गया है कि डीजीपी रविवार सुबह राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल अधिकारी (व्यय) महेश भागवत के साथ मतगणना के मध्य हैदराबाद में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अनुमुला रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने फूलों का गुलदस्ता भी उन्हें भेंट किया। सूत्रों का कहना है कि मुलाकात का वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया और डीजीपी कुमार को निलंबित करने के आदेश दे दिये।

फर्जी ऑफर और डिस्काउंट से लोगों को बचाने सरकार ने डार्क पैटर्न पर लगाया बैन

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने फर्जी ऑफर व जाली ???डिस्काउंट से लोगों को बचाने कड़े कदम उठाए हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर 'डार्क पैटर्न' के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बताया जा रहा है ?कि कंपनियां या कारोबारी 'डार्क पैटर्न' के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 30 नवंबर को इस संबंध में 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश' के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है।

जारी ?किए गए नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा ?कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है।

सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों- खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है। इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा। ग्राहकों को लुभाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियां कई तरीके अपनाती हैं, जैसे कई बार ग्राहकों के शॉपिंग कार्ट में कोई प्रोडक्ट खुद-ब-खुद जुड़ जाता है। कई बार लोगों को ऑर्डर करने से पहले प्रोडक्ट से जुड़े अन्य फीस या खर्चों के बारे में नहीं बताया जाता। कई बार लोगों को ललचाने के लिए उनके वॉलेट में पैसे एड किए जाने का मैसेज भेजा जाता है। कई बार किसी खास प्रोडक्ट पर डिस्काउंट के लिए 'सिर्फ एक घंटे का समय बचा है' लिखा होता है। इस तरह के शोषण से बचाने के ?लिए यह कदम सरकान ने उठाया है।

अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर तैयार

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या में बन रहा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। इसके प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इस एयरपोर्ट के टर्मिनल का डिजाइन राम मंदिर जैसा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले इसकी सेवाएं शुरु कर दी जाएगी। कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हवाई अड्डे का निरीक्षण किया।

कल सीएम योगी व केंद्रीय मंत्रियों ने हवाई अड्डे के निर्माण से जुड़े प्रस्तुतिकरण को देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बताया कि अयोध्या में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

भारत ने चार-एक से जीती टी -20 श्रृंखला

बेंगलुरु (ईएमएस) । भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक 5वें टी-20 मुकाबले में 6 रन से हरा दिया। बेंगलुरु में टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने आखिरी 6 गेंदों पर 10 रन डिफेंड किया। उन्होंने शुरुआती 3 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया और कप्तान मैथ्यू वेड का विकेट भी लिया। टीम आखिरी ओवर में 3 रन ही बना सकी।

भारत के लिए मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए। जबकि अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। श्रेयस अय्यर ने 53 रन बनाए। 5वें टी-20 में जीत के साथ टीम इंडिया सीरीज 4-1 के अंतर से अपने नाम कर ली।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट पर 154 रन ही बना सका। बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी-20 मुकाबला हारा, यहां टीम ने 3 टी-20 जीते हैं।

बीआरएस की हार का महाराष्ट्र कनेक्शन

मुंबई, (ईएमएस)। पूरे देश का ध्यान खींचने वाली 4 राज्यों के चुनाव नतीजों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बन रही है. जबकि तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत मिला है. खास बात यह है कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया है. उसने बीआरएस को भारी अंतर से पीछे छोड़ दिया है। कांग्रेस के कारण चंद्रशेखर राव को बड़ा झटका लगा है. 2018 में बीआरएस तेलंगाना में सत्ता में आई। इसके बाद चन्द्रशेखर राव ने अपना रुख दूसरे राज्यों की ओर कर दिया. वह तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र को भी जीतने जा रहे थे. इसके लिए वे लगातार महाराष्ट्र का दौरा कर रहे थे लेकिन अब उन्होंने तेलंगाना को ही खो दिया है. कहा जा रहा है कि जब विधानसभा चुनाव सिर पर थे तब भी चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. पिछले 6 महीने से उनका महाराष्ट्र आना-जाना बढ़ गया था. इसलिए वे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान नहीं दे पाये.

चन्द्रशेखर राव ने महाराष्ट्र के अखबारों में तेलंगाना की नौकरियों का विज्ञापन दिया। बैठकें आयोजित की गईं. समय बीतता गया और तेलंगाना की उपेक्षा होती गयी.

विज्ञापन में चंद्रशेखर राव द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए काफी काम किया है, यह दिखाया गया लेकिन असल में जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और ही थी. जानकारों का कहना है कि चंद्रशेखर राव और उनके मंत्री लगातार महाराष्ट्र का दौरा कर रहे थे, इसलिए नागरिकों में गुस्सा था. आख़िरकार नागरिकों ने अपना गुस्सा दिखा दिया.

केवी कामारेड्डी बने सबसे बड़े विनर

हैदराबाद (ईएमएस)। बीजेपी हालांकि तेलंगाना में हार गई। लेकिन उसने 2018 में हासिल की गई सीटों से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की। इस सबके बीच एक ऐसा शख्स जिसकी बड़ी कामयाबी पर शायद किसी का ध्यान नहीं गया। जिसके वो हकदार हैं, वो हैं केवी कामना रेड्डी।

तेलंगाना के कामारेड्डी सीट से अपेक्षाकृत अज्ञात भाजपा उम्मीदवार एक बड़े विजेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने न केवल कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के प्रमुख रेवंत रेड्डी को हराया है, जिन्हें संभावित मुख्यमंत्री के रूप में देखा जाता है, बल्कि दो बार के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को भी हराया, उन्हें राज्य में कभी अजेय के रूप में देखा जाता था।

रमना रेड्डी को कुल 66,652 वोट मिले, उन्होंने केसीआर को 6,700 से अधिक वोटों से और रेवंत रेड्डी को लगभग 12,000 वोटों से हराया। अपनी जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, रमना रेड्डी ने कहा कि वो अपने विरोधियों को एक संभावित मुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस के दो उम्मीदवारों के रूप में देखते थे।

रमना रेड्डी ने हिंदी में कहा, मैंने उन्हें सामान्य उम्मीदवारों के रूप में देखा और खुद को भाजपा उम्मीदवार के रूप में। मैं आम आदमी के समर्थन के कारण जीता। मैं उन 65,000 लोगों का विधायक नहीं हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया, बल्कि अपने निर्वाचन क्षेत्र के 2।5 लाख मतदाताओं और 4।5 लोगों का विधायक हूं।

53 वर्षीय रमना पाला बदलने और भाजपा में शामिल होने से पहले कभी बीआरएस में थे। कॉलेज की शिक्षा नहीं होने के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में बताया गया है कि उनकी कुल घोषित संपत्ति 49।7 करोड़ रुपये है। हैदराबाद से लगभग 120 किमी दूर स्थित, कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र पर 2014 से बीआरएस का कब्जा रहा। इस सीट पर जीत ने रमना रेड्डी की उपलब्धि को और बढ़ा दिया है।

हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसंबर से

फिरोजाबाद (ईएमएस)। हज 2024 की पालिसी का ऐलान हो गया है। इस्लामिक सेंटर ने इसे लेकर मुस्लिम लोगों के लिए जानकारी दी है। इस्लामिक सेन्टर के सचिव हज कमेटी के मास्टर ट्रेनर मौलाना आलम मुस्तफा याकूबी ने कहा कि हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसम्बर से हो सकती है। उन्होंने बताया कि हज पर जाने के लिए हज पॉलिसी की जानकारी जारी की है। हज आवेदन बिल्कुल फ्री होगा। इसके लिये ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे।

हज की यात्रा 30 से 45 दिन की होगी। हज की यात्रा के लिए 25 एयरपोर्ट होंगे। हज में बिना मेहरम के भी महिलाएं जा सकेंगीं। 45 साल से अधिक उम्र की महिला अब अकेले हज पर जाने को आवेदन कर सकती हैं। वर्ष 2016 से पहले हज पर जाने के लिए मेहरम का होना अनिवार्य था। इस बार चार महिलाओं का समूह एक साथ हज के लिए जा सकेगा।

भाजपा के फेवर में आए नतीजों के बाद शेयर बाजार में मजबूती की उम्मीद

-पिछले 20 साल का रिकॉर्ड देखें तो चुनाव के बाद रही ?मिलीजुली ?स्थि?ति

नई दिल्ली (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में आने से शेयर बाजार में भी मजबूती रहने की उम्मीद जताई जा रही है। ?विशेषज्ञ मान रहे हैं ?कि ?पिछले बीस साल के नतीजों पर ध्यान दें तो ?मिलीजुली ?प्र?तिक्रिया रही है। बता दें ?कि 4 राज्यों के परिणाम में कांग्रेस के हाथ केवल एक राज्य लगा, जबकि भाजपा ने 3 राज्यों में जीत दर्ज की है। तीन राज्यों में अगले 5 सालों तक एक ही सरकार रहने वाली है। चूंकि इन चुनावों को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल समझा जा रहा था तो अब भाजपा के लिए अच्छी स्थिति नजर आती है। राजनीति के साथ साथ शेयर बाजार देश के अंदर होने वाले इस तरह के बड़े इवेंट्स पर अपना रिएक्शन जरूर देता है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि बाजार के लिए आने वाला समय मजबूत रहने वाला है। मगर यदि कल सोमवार की बता करें तो कल शेयर बाजार ऊपर जा सकता है, स्थिर रह सकता है, या फिर गिर भी सकता है? ले?किन स्थिरता के हिसाब से संकेत मिलता है बाजार को गिरना नहीं चाहिए। परंतु पक्के तौर पर कहा नहीं जा सकता कि क्या होगा? यदि इतिहास पर नजर डालें तो बाजार ने मिला-जुला रुख अपनाया है।

इन्हीं राज्यों में हुए पिछले 4 चुनावों के बाद की बाजार की स्थिति को देखें तो 2018 में चुनाव हुए थे। इन्हीं पांचों राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, और मिजोरम) में चुनाव हुए थे। परिणाम 11 दिसंबर को मिले थे। इन चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बहुमत से सरकार बनाई थी। भाजपा की हार से सेंसेक्स में लगभग 500 अंकों की शुरुआती गिरावट आई थी। उसी दिन अंत तक बाजार ने पूरी गिरावट तो रिकवर कर ही ली, साथ ही लगभग 190 अंक उछलकर 35,150 पर बंद हुआ। गौरतलब है ?कि 2013 तक तेलंगाना नहीं बना था। तब बाकी के चारों राज्यों के साथ दिल्ली में चुनाव होता था। उस वर्ष 8 दिसंबर को रिजल्ट आया था। मिजोरम में एक दिन बाद 9 दिसंबर को गिनती हुई। परिणाम आया और तीनों बड़े राज्यों, मध्य प्रदेश, राजस्थान, और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी, जबकि दिल्ली में बहुमत नहीं मिल पाया था। कांग्रेस 15 सालों बाद सत्ता से बाहर हो गई थी। अगले दिन 9 दिसंबर को सोमवार था और शेयर बाजार में बढ़िया तेजी आई। सेंसेक्स 329.89 अंकों (1.57ड्ढ) बढ़कर 21,326.42 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में कल क्या होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कोई नहीं कर सकता। बहुमत के साथ बन रही राज्य सरकारों की स्थिति देखें तो बाजार को उछलना चाहिए। यहां शेयर बाजार का एक खेल और आता है, जहां ऑपरेटर्स अपनी चाल चलते हैं। चूंकि इस जीत के बाद सभी छोटे निवेशकों में यह धारणा हो सकती है कि बाजार में तेजी देखने को मिलेगी, और वे सब पॉजिटिव साइड के ट्रेड लेकर पैसा बनाने की कोशिश करेंगे। परंतु छोटे निवेशकों को बाहर करने के लिए ऑपरेटर या बड़े खिलाड़ी बाजार के प्रति बनी आम धारणा के विपरीत जा सकते हैं अथवा बाजार नीचे जा सकता है।

जन हितैषी

चार राज्यों के चमत्कारिक चुनाव परिणाम, 3 भाजपा, 1 कांग्रेस

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम का जो रुझान सामने आया है, चह पूर्णतः चमत्कारिक है। इस तरीके के चुनाव परिणाम की किसी ने कल्पना नहीं की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ तेलंगाना और राजस्थान का चुनाव लड़ा गया था। हिंदी भाषी राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम बिल्कुल चमत्कारिक रहे। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ नए प्रयोग किए थे। चुनाव मैदान में मंत्रियों और सांसदों को भी उतारा था। मोदी जी ने तीनों राज्यों में अपने ही चेहरे पर चुनाव लड़ा था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह का चेहरा सामने नहीं था। मोदी और कमल के नाम पर जनता से वोट मांगे गए थे। जनता ने मोदी और कमल को पूर्ण समर्थन देते हुए इन तीनों राज्यों में भाजपा को ऐतिहासिक चमत्कारिक विजय दिलाने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी को 90 में से 54, मध्य प्रदेश में 230 सीटों में से 166 भाजपा को, राजस्थान की 199 सीटों में से 115 सीट बीजेपी को मिली है। जिससे तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तेलंगाना के भी चुनाव परिणाम बड़े आश्चर्यजनक रहे। यहां की 119 सीटों में से 63 सीट तेलंगाना के मतदाताओं ने कांग्रेस की झोली में डालकर स्पष्ट बहुमत दिया है, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस को मात्र 40 सीट मिली है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी ने भी अच्छी प्रगति करते हुए 9 सीटों पर विजय पाई है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रहीं थीं और यह कहा जा रहा था कि चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन सकती है, ऐसा कांग्रेस के नेताओं द्वारा कहा जा रहा था। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस की सभाओं और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ रही थी, जिसके कारण चुनाव काफी रोचक एवं संघर्षपूर्ण हो गए थे। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि एक बार फिर मोदी लहर हिंदी भाषी राज्य मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चली है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना लागू की थी। मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम के रुझान में उसका भी बड़ा असर देखा गया है। मिजोरम की मतगणना 4 दिसंबर को होनी है। मिजोरम के भी चुनाव परिणाम सोमबार को सामने आ जाएंगे, लेकिन इतना तय है कि हिंदी भाषी राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। इन चुनाव परिणामों से क्षेत्रीय क्षत्रप जो भाजपा के केंद्रीय हाई कमान के लिए चुनौती बन रहे थे उनके लिए भी एक बहुत बड़ा सबक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वो चुनाव राजनीति के महापंडित हैं विपरीत परिस्थितियों में भी कैसे चुनाव जीते जाते हैं यह उन्हें आता है। बहरहाल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की पसंद को ही स्थान मिलेगा। इन तीनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के लिए कोई चेहरा घोषित नहीं किया था। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कई केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव लड़ने के कारण कौन मुख्यमंत्री बनेगा, इसको लेकर जरूर कोतुहल बना हुआ है। पिछले 2 महीने से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर तरह-तरह की जो संभावनाएं जताई जा रहीं थीं, चुनाव परिणाम के रुझान आने के साथ ही सारी स्थिति स्पष्ट परिणाम के रूप में सामने आ गई है। सरकार बनाने के लिये अब विधायकों के दल-बदल की संभावनाओं पर भी पूर्ण विराम लग गया है।

नई प्रतिभाओं को आगे न आने देना ही कांग्रेस की हार का कारण!

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एग्जिट पोल के विपरीत भाजपा के पक्ष में गए है।तेलंगाना में सत्ता हासिल करने व छत्तीसगढ़ में संतोषजनक टक्कर देने के अलावा कांग्रेस राजस्थान व मध्यप्रदेश में बेअसर ही रही।चुनाव में जातीय जनगणना का मुद्दा जहां उसे ले डूबा वही राजस्थान में गहलोत-पायलट टकराव, मध्यप्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय का बड़बोलापन कांग्रेस की हार का कारण बना है। राजस्थान राज्य में 9 बड़े कारण कांग्रेस की हार के बने है। पहला तो यही कि राजस्थान में रिवाज कायम रहा है जनता ने हमेशा सत्ता में बदलाव किया है। वही कांग्रेस की मुफ्त की रेवड़ी नहीं चली। कांग्रेस को गहलोत-पायलट विवाद महंगा पड़ गया। कन्हैया लाल हत्याकांड से चुनावी ध्रुवीकरण हुआ है।कांग्रेस चुनाव के कुछ महीने पहले तक गुटबाजी से जूझती नजर आई।अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की खींचतान का भी कार्यकर्ताओं पर प्रतिकूल असर पड़ा, जनता के बीच गलत संदेश गया है। भले ही चुनाव से ठीक पहले दोनों ही नेता हम साथ-साथ हैं का संदेश देते नजर आए हो लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।कांग्रेस जहां गुटबाजी से जूझती रही, वहीं बीजेपी ने अंतर्कलह को कहीं बेहतर तरीके से हैंडल करती रही। बीजेपी ने गुटबाजी से पार पाने के लिए वसुंधरा राजे को न सिर्फ सीएम फेस घोषित करने से परहेज किया बल्कि बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतार दिया था। नतीजा ये हुआ कि नेताओं ने अपनी साख बचाने के लिए उस सीट पर जोर लगाया और इसका सकारात्मक असर आसपास की सीटों पर भी पड़ा।राजस्थान का चुनाव मोदी बनाम गहलोत हो जाना भी कांग्रेस को भारी पड़ा है। पीएम मोदी के चेहरे ने कांग्रेस के जातिगत जनगणना के दांव की धार भी कुंद कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं, वहीं कांग्रेस की ओर से प्रचार का भार सीएम गहलोत के कंधों पर अधिक नजर आया।चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी मैदान में उतरे तो लेकिन वह भी महज खानापूर्ति ही रही। चुनाव पूरी तरह से मोदी बनाम गहलोत हो गया और इसका लाभ भी बीजेपी को मिला।अशोक गहलोत की सरकार ने चुनावी साल में एक के बाद एक चुनावी दांव चले,जिनमे चिरंजीवी योजना के तहत हेल्थ इंश्योरेंस की लिमिट बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का वादा किया गया, सस्ते गैस सिलेंडर समेत कई लुभावनी योजनाओं पर पेपर लीक, लाल डायरी और भ्रष्टाचार के आरोप भारी पड़े।कांग्रेस की हार के पीछे बागी भी बड़ी वजह माने जा रहे हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर बतौर निर्दल उम्मीदवार ताल ठोक दी।कुछ बीजेपी और दूसरे दलों के टिकट पर भी मैदान में उतर गए।इन बागियों ने भी कांग्रेस का नुकसान किया है। इसके ठीक उलट बीजेपी ने एक-एक बागी को मनाने के लिए बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी और उनको मनाने की पूरी कोशिश की।कई बागी मान भी गए और बीजेपी को इसका लाभ मिला है। वही मध्यप्रदेश की राजनीति में यह चुनाव परिणाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस परिणाम ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर कांग्रेस जो जीत की जोरदार ताल ठोक रही थी, उसे इतनी बुरी हार कैसे मिली? कारण चौंकाने वाले हैं, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों में चुनाव के परिणाम पूरी तरह से बीजेपी के पक्ष मे रहे हैं। प्रचंड जीत की ओर जाते हुए बीजेपी के प्रदेश कार्यालयों में ढोल ढमाके बज रहे हैं, लड्डू बंट रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के खेमे में मायूसी है। जो लड्डू कांग्रेस कार्यालय में आए थे, वे वैसे ही रखे हुए हैं। सवाल यह है कि जो कांग्रेस 2019 में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई थी, वो ऐसा क्या हुआ कि 2023 के चुनाव परिणाम के रुझानों में अब तक बुरी तरह हार की कगार पर है। जिसका कारण एंटी इंकंबेंसी का कोई रोल नहीं रहा।बीजेपी एंटी इंकंबेंसी को नकारकर जीती है। राजनीति में यह शोध का विषय होना चाहिए। क्योंकि 18 साल बाद भी एक चुनाव होता है और किसी पार्टी को प्रचंड जीत मिलती है, वो भी 18 साल तक शासन में रहने के बाद। जबकि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी सत्ता से चली गई पर 15 महीनों को छोड़कर एमपी में नहीं। दिग्गी कमलनाथ ने किसी को नहीं बढ़ने दिया।

कांग्रेस ने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह से बड़ा नेता किसी को नहीं बनने दिया। दोनों नेता वयोवृद्ध हैं। कमलनाथ की उम्र 77 साल और दिग्विजय सिंह की उम्र 76 साल है।यूथ लीडर्स का कोई बैकअप नहीं ,किसी यूथ लीडर को आने नहीं दिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया जो कांग्रेस में एक बड़ा कद थे। युवा थे, उन्हें भी दरकिनार कर दिया गया था। मजबूरन उन्हें बीजेपी का दामन थामना पड़ा। मध्यप्रदेश कांग्रेस में युवा नेतृत्व का बैकअप में नहीं बन पाया। केवल विक्रांत भूरिया यूथ कांग्रेस अध्यक्ष है, जो कांतिलाल भूरिया के बेटे हैं और पेशे से एमबीबीएस डॉक्टर हैं। उन पर भी वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया की छाप है। कमलनाथ का अड़ियल रवैया, सबसे अहम बिंदू राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में यह है कि कमलनाथ में राजनीतिक नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है, वो राजनेता कम और बड़ी कंपनी मैनेजर ज्यादा लगते हैं। वो राजनीतिक बैठकों में कार्पोरेट मीटिंग जैसा व्यवहार करते रहे हैं। कमलनाथ मिनटों के हिसाब से विधायकों को मिलने का समय देते थे। वो कहते थे चलो चलो , उन्हें जनता ने चलता कर दिया।कमलनाथ की छवि पर भारी शिवराज की छवि कांग्रेस में जहां कमलनाथ का रवैया तानाशाही रहा है, वहीं दूसरी ओर बीजेपी इसलिए आगे निकली कि एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान कमलनाथ के विपरीत जमीनी नेता हैं, वे लोगों और विधायकों की सुनते भी हैं, बोलते भी हैं। शिवराज सिंह चौहान की सरल छवि कमलनाथ की छवि पर भारी पड़ी है।कांग्रेस को अब सोचना होगा कि घिसे पिटे नेताओं पर भरोसा करने के बजाए नए बेदाग छवि के निष्ठावान कार्यकर्ताओ को आगे लाए, तभी कांग्रेस में कुछ जान आ सकती है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन /ईएमएस) (लेखक राजीनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार है)

भाजपा के पक्ष में जनादेश के निहितार्थ....

लोकतंत्र का सेमीफाइनल हो गया है । चार राज्यों की जनता ने अंततः अपने हाथों में धर्मध्वजाएं उठा लीं। धर्मनिरपेक्षता एक बार फिर पददलित हो गयी है और इससे जाहिर है की नए साल में भी धर्म ध्वजाएं ही फहराएंगी। ऐसे ही मंजर के लिए कामिल अजीज कहते हैं कि - दामन पै कोई छींट न खंजर पाई कोई दाग ,तुम कत्ल करे हो की करामात करे हो।

भाजपा की जीत अप्रत्याशित है तो है। भाजपा को और तीनों राज्यों की जनता को बधाई देना पड़ेगी कि उसने भाजपा को एक बार फिर सत्ता की चाबी सौंपी है। जनादेश एकतरफा है ,स्पष्ट है। जनादेश ऐसे ही आना चाहिए फिर वे चाहे कांग्रेस केपक्ष में हों या भाजपा के पक्ष में। इन नतीजों के लिए भाजपा के उपेक्षित और अपेक्षत नेताओं की मेहनत भी है और केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति भी। भाजपा के मध्यप्रदेश में जमीन पर आने के आसार थे लेकिन भाजपा आसमान पर पहुँच गयी। इन नतीजों के लिए न मशीनें जिम्मेदार हैं और न नौकरशाही। इसके लिए जिम्मेदार है समय।जिम्मेदार है अनुमान।

मुझे लगता है की ये चुनाव भाजपा की रणनीति की जीत ह। भाजपा के लिए यदि दक्षिण ने दरवाजा बंद किया है तो हिंदी अत्ती ने अपने दरवाजे और खिड़कियां तक खोल दीं,जनता यानि मतदाता को रेवड़ियाँ भी पसंद नहीं आयीं और मुहब्बत की दूकनें भी। जनता ने जो चुना वो उसकी पसंद है और उस पर कोई प्रश्न खड़ा नहीं किया जा सकता ,लेकिन मौ कहना चाहता हूँ कि देश ने एक ऐसा रास्ता चुन लिया है जो सुरंग जैसा ह। जिसमें प्रवेश करना आसान है लेकिन निकलना नहीं। अब जनता राम नाम की माला जपे ,विकास -फिकास की बात न करे। एक्जिट पोल करने वाले भी अब कोई दूसरा धंधा करने लगें तो बेहतर है। हम जैसे लोग तो अब बदलने वाले नही। आखरी वक्त में हम क्या ख़ाक मुसलमान होंगे ?

तीन राज्यों के चुनाव नतीजों ने हार्स ट्रेडिंग का धंधा भी ठप्प कर दिया है। जनता ने पकड़ जैसे अपराध को भी अनदेखा कर दिया है। जनता ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के नेताओं के वीडियो पर भी भरोसा नहीं किया। यानि जनता फालतू की बातों पर ध्यान नहीं देती। जनता ध्यान देती है धर्म ध्वजाओं पर। जनता ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की कथित गद्दारी को भी माफ़ कर दिया है ,बल्कि जनता ने सिंधिया को पुरस्कृत कर दिया है। मुझे लगता है कि भाजपा जरा और कस लगाती तो 2003 के आंकड़ों को हासिल कर सकती है। अब राजनीति लाड़ली बहनों और लाड़ली बेटियों के सहारे चलेगी। लाड़ली बहनों और बेटियों के सहारे सरकार चलाना ज्यादा सस्ता काम है। विकास कार्यों में ज्यादा पैसा लगता है लेकिन बहनों-बेटियों को नजराना देने में कम पैसा लगता है।

लोकतंत्र के सेमीफाइनल के नतीजों ने क्रिकेट के विश्व कप को हारने के दर्द को कम कर दिया है। ऊपर वाला जख्म देता है तो दवा भी करता है और उसने भाजपा के जख्मों को भरा भी। भाजपा अब नयी ऊर्जा के साथ 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा का काम कर सकती है। नए लोक बना सकती ह। दीप प्रज्ज्वलन के नए कीर्तिमान बना सकती है ,कोई उसे रोकने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी खुशनसीब हैं कि उनके पास अब एक छोड़ तीन-तीन नए एटीएम आ गए है। ड राज्य सरकारों को मोदी जी एटीएम मानते हैं .जिस दल की जितनी सरकारें होतीं हैं ,उस दल के पास उतने एटीएम होते हैं। कांग्रेस के पास भी फिलहाल काम चलने लायक एटीएम हैं। कर्नाटक,तेलंगाना और हिमाचल के एटीएम उसे परेशान नहीं होने देंगे।

चार राज्यों के नतीजों ने जाहिर कर दिया है कि अब देश में बुलडोजर संहिता को और मुस्तैदी से लागू किया जा सकता है। यहना सीधी कार्रवाई की जा सकती है। मुझे भी लगता है कि मोदी जी को पनौती मानने वालों को ये भी मान लेना चाहिए कि - मोदी हैं तो मुश्किल कम ,मुमकिन ज्यादा है। मोदी जी मुश्किल को मुमकिन करने में सिद्धहस्त हो चुके हैं। अब प्रमाणित हो गया है कि जादूगर अशोक गहलोत नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी जी हैं। उनका विरोध करना देशद्रोह करने जैसा है। विपक्ष को अब मोदी जी की तरह दीं भर गालियां खाकर भी अपना स्वास्थ्य सुधारने का प्रयास करना चाहिए। इन नतीजों ने पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को भी एक सबक सिखाया है कि वे दारू का विरोध न करें। चौहान का विरोध करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला।

मेरी छग के निवर्तमन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रति सहानुभूति हो रही ह। मै शिवराज सिंह चौहान की ही तरह इन दोनों का बह प्रशंसक हूँ। चौहान अशोक गहलोत से भी बड़े जादूगर निकले। उन्होंने बिना ढोल-धमाके के तस्वीर बदल दी। मेरी सहानुभूति चौहान के प्रति भी है क्योंकि मप्र में जीत का श्रेय चौहान को मिलने वाला नहीं है। श्रेय तो मोदी जी के ही हिस्से में जाएगा और जाना भी चाहिए। मोदी जी ने हाड़तोड़ मेहनत कि इन विधानसभा चुनावों में मेरी सहानुभूति तेलंगाना के निवर्तमान मुख्यमंत्री केसीआर के प्रति है क्योंकि जनता ने उन्हें वीआरएस दे दिया है। वीआरएस भी एक अच्छी योजना है ,इसका लाभ लिया जाना चाहिए।

मैंने तो सुबह ही कह दिया था कि जो जीता वो ही सिकंदर कहा जाएगा। भाजपा इस समय सिकंदर है। अब भाजपा को 2024 के आम चुनाव में कम मेहनत करना पड़ेगी लेकिन कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का काम बढ़ गया है। विपक्ष और कांग्रेस को इन चुनावों से हताश नहीं होना चाहिए। हार में क्या जीत में ,किंचित नहीं भयभीत वाला काम होना चाहिए। हार-जीत चलती रहती है। उम्मीद की जाना चाहिए कि चरों राज्यों में नयी सरकारें और नए मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्य की जनता का और बेहतर कल्याण करेगी। जीत को विनम्रता से स्वीकार करना ही दरियादिली की निशानी है।(लेखक . राकेश अचल)

घर का जोगी जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध?

एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थो के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है ।आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है।अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा हैं । मगर वक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है।जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी।आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है।अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीडे-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं।महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है।कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग घातक होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता।

बेशक स्वाभिमानी अभाव में रहता है पर वह किसी के प्रभाव में नहीं रहता है अपने स्वभाव में रहता है।अपने स्वाभिमान को बरकरार रखो। जीहजूरी करने वाला सिर झुकाकर ही चल सकता है। थर्ड श्रेणी में मुशिकल से पास हुए लोग आज उपदेश देते है कि हमने मेहनत की है मगर सच्चाई सौ परदे फाड़कर बाहर आती है।समय आने पर धराशायी जरुर होगें। नकल व रिश्वत के बल पर सफलता हासिल करने वाले एक दिन बेनकाब होगें नकली पंख कब तक उड़ान देगें।गीदड़ को अगर शेर की खाल पहना दी जाए तो वह शेर नहीं बन जाता।जीहजूरी करने वालों को बंदरों की तरह ही नचाया जाएगा।मदारी उसे अपने हिसाब से नचाएगें।तिगड़म व जीहजूरी के बलबूते सफलता हासिल कर चुके कुछ लोग आज भले ही उंचे ओहदों पर पहुंचे है मगर यह लोग इनके काबिल नहीं है।तिगड़म व तलवे चाटकर सफलता हासिल करना आसान है मगर उसे बनाए रखना कठिन है।प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।जीहजूरी से सफलता हासिल करने वाले गुलामी में ही जीएंगें।एक मेहनती व स्वाभिमानी सिर उठाकर ही चलेगा। व औंधे मुंह गिरेगें। (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

आज का इतिहास 4 दिसंबर

1760 बाजीराव द्वितीय पेशवा बने.
1829 लार्ड विलियम बैटिंग ने सती प्रथा समाप्त करने का निर्देश दिया.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका ने पहली बार इटली पर बमबारी की.
1959 भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई और ऊर्जा परियोजना के लिए समझौता हुआ.
1965 थुंबा से पहला रॉकेट रोहिणी आर एच-75 प्रक्षेपित किया गया.
1972 होडुंरास में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.
1984 बुखारेस्टरोमानिया में जार्डा के राजनयिक की हत्या हुई.
1987 हैती के रोमन कैथोलिक चर्च ने अंतरिक्ष परिषद के लिए अपने सदस्य मनोनीत नहीं करने का ऐलान किया.
1990 इराक ने तीन हजार सोवियत नागरिकों को रिहा करने की घोषणा की.
1992 अमरीका ने सोमालिया में राहत कार्य के लिए 28 हजार सैनिक भेजे.
2000 सरकार से बातचीत विफल होने पर देश भर के डाक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए.
2002 लश्कर तैयबा ने घाटी में चार दिन का युद्धविराम घोषित किया.

बस, मेट्रो, कैब और कार को छोड़िए जनाब ये लड़की हवाई जहाज से ऑफिस जाती

न्यूजर्सी (ईएमएस)। आमतौर पर लोग बस, लोकल ट्रेन, मेट्रो, कैब या फिर अपनी खुद के वाहन से दफ्तर जाते हैं। लेकिन क्या आपने सुना है कि कोई हवाई जहाज से ऑफिस जाता हो? दरअसल, साउथ कैरोलीना की रहने वाली 22 साल की एक लड़की सोफिया कुछ ऐसी ही वजह से इन दिनों चर्चा में हैं। सोफिया ने खुलासा किया है कि कैसे वह अपने सपनों की नौकरी करने के लिए दफ्तर के पास किराए का घर लेने की जगह फ्लाइट से सफर करती है।

दरअसल, सोफिया ने अपने टिकटॉक पर पूरा माजरा बताया। सोफिया को एक कंपनी में इंटर्नशिप करनी थी लेकिन न्यूजर्सी जैसे महंगी जगह में शिफ्ट होने में वह डर रही थी। सोफिया ने कहा, मेरी 9 टू 5 नौकरी से पहले मेरी 4 टू 9 में आपका स्वागत है, मैं ऑफिस जाने के लिए प्लेन पकड़ने वाली सुपर कम्युटर हूं।

सोफिया ने बताया कि मैं एक एड एजेंसी में 10-सप्ताह की हाइब्रिड समर इंटर्नशिप कर रही हूं। मुझे सप्ताह में एक दिन न्यूजर्सी के ऑफिस में रहना पड़ता है, इसलिए घर के किराए और फ्लाइट टिकट का रेट कैलकुलेट करने के बाद मैंने समझा कि हफ्ते में एक दिन का सफर सस्ता है। अब ऑफिस के पास किराए का घर लेने के बजाय मैं अपने परिवार के साथ साउथ कैरोलिना में रह रही हूं और हवाई जहाज से आती-जाती हूं।

इसके बाद सोफिया को सप्ताह में एक बार ऑफिस के लिए तैयार होने के लिए सुबह 3.45 बजे उठना होता है। इसके बाद या खुद एयरपोर्ट जाती हैं या उनके माता- पिता उन्हें ड्रॉप कर देते हैं। वह 6.30 की फ्लाइट पकड़ती हैं। सोफिया ने बताया कि फ्लाइट की खिड़की से सनराइज देखना मुझे पसंद है। सुबह 8 बजे न्यूजर्सी उतरने के बाद, ऑफिस तक पहुंचने के लिए 45 मिनट कैब में सफर करती हैं और 9 बजे अपनी डेस्क पर होती हैं।

सोफिया के वीडियो पर लोगों ने कमेंट किए। सोफिया ने खुलासा किया कि वह अपनी फ्लाइट्स तीन से चार सप्ताह पहले बुक करती हैं ताकि वे सस्ती हों। उन्होंने कहा मेरी एक दिन की आने जाने की फ्लाइट लगभग 100 डॉलर की होती है और फिर मैं कैब के लिए 100 डॉलर देती हूं। लेकिन अगर मैं न्यूयॉर्क शहर या न्यू जर्सी में रहती, तब मैं सिर्फ घर के किराए पर हर महीने हजारों डॉलर खर्च करती। इसकारण मैंने फ्लाइट का सफर चुना।

शब्द पहेली - 7846

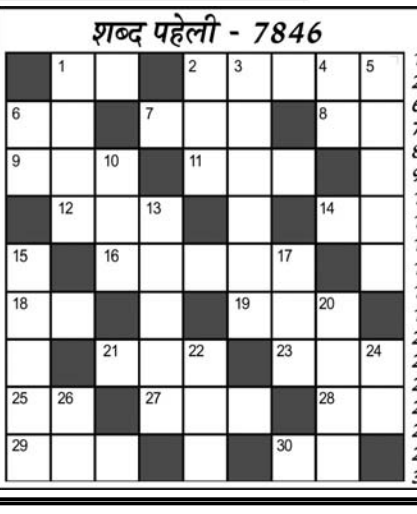

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7845 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

फिल्स को हराकर मेदजेदोविच ने नेक्स्ट जेन फाइनल्स चैंपियनशिप जीती

जेद्दा (ईएमएस)। शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर हेमाद मेदजेदोविच ने उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट में 3-4 (6), 4-1, 4-2, 3-4 (9), 4-1 से हरा ?दिया है। टूर्नामेंट के छह सत्र में यह पहला मौका है जब फाइनल में पांच सेट खेले गए। इस दौरान इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और इस टूर्नामेंट के जीतने वाले सर्बिया के पहले खिलाड़ी बने। वर्ष 2017 में पहले टूर्नामेंट से ही इसका आयोजन मिलान में हो रहा था जबकि इस साल पहली बार यह टूर्नामेंट सऊदी अरब में खेला गया। इससे पहले स्टेफानोस सितसिपास, यानिक सिनर और कार्लोस अल्बारेज जैसे खिलाड़ी नेक्स्ट जेन फाइनल्स मुकाबला जीत चुके हैं।

फुटबॉल टूर्नामेंट में न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया

लंदन (ईएमएस)। चोटों से जूझने के बावजूद न्यूकासल यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना जलवा बरकरार रखा है। शनिवार को यहां मैनेचस्टर यूनाईटेड को 1-0 से हरा दिया। न्यूकासल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे मैच में समान एकादश के साथ शुरुआत करने को मजबूर होना पड़ा लेकिन उनके खिलाड़ी उम्मीद पर खरे उतरते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहे। मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था। इस बीच आर्सेनल ने वोल्वरहैम्पटन को 2-1 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है। वहीं आर्सेनल की ओर से बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल दागे। हालां?कि आर्सेनल की टीम 14 मैच में 33 अंक के साथ शीर्ष पर है।

बता दें ?कि मैनचेस्टर सिटी 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेला है। वहीं न्यूकासल की टीम आर्सेनल से सात अंक पीछे पांचवें पायदान पर है जबकि मैनचेस्टर यूनाईटेड सातवें नंबर पर है। अन्य मुकाबलों में बर्नले ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे शेफील्ड यूनाईटेड को 5-0 से हराया जबकि एवर्टन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 1-0 से शिकस्त दी। बर्नले के जे रोड्रिग्ज ने इस दौरान 16 सेकेंड के भीतर गोल दागा।

रामकुमार ने कालाबुरागी ओपन सेमीफायनल में दर्ज की जीत

कालाबुरागी (ईएमएस)। रामकुमार रामनाथन ने शनिवार को कालाबुरागी ओपन में जापान के रयोतारो तागुची के खिलाफ जीत के साथ कर्नाटक के कालाबुरागी में आईटीएफ कालाबुरागी ओपन के फाइनल में पहुंचकर लगातार दूसरे खिताब की ओर कदम बढ़ाया। यहां चन्द्रशेखर पाटिल स्टेडियम कोर्ट में खेले गए सेमीफाइनल में इस दुबले-पतले खिलाड़ी ने केवल 65 मिनट में मेहमान की चुनौती को पार करते हुए 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। खिताबी मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय का सामना सातवीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रिया के डेविड पिचलर से होगा, जिन्होंने मामूली उलटफेर में जापान के दूसरी वरीयता प्राप्त मात्सुडा रयुकी के खिलाफ 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। इस बीच, रयुकी और तागुची ने एक साथ जोड़ी बनाई और युगल का ताज अपने नाम किया।

हालां?कि जापानी जोड़ी ने नितिन कुमार सिन्हा और डेविड पिचलर की इंडो-ऑस्ट्रियाई जोड़ी के खिलाफ 6-4, 2-6, 10-7 से जीत हासिल की। इस दौरान विजेता को 1550 अमेरिकी डॉलर का चेक और 25 एटीपी अंक मिले। जबिकि उपविजेता को 900 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और 16 एटीपी अंक से संतोष करना पड़ा।

12 भारतीय मुक्केबाजों ने जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के 12 जूनियर मुक्केबाजों ने जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जगह बना ली है। उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और येरेवन, आर्मेनिया में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में प्रवेश किया। इनमें अमीषा (54 किग्रा) और पायल (48 किग्रा) ने रोमानिया की ट्रिगोस बुकुर रोशियो और कजाकिस्तान की बिबोलसिंकीज़ी सिला के खिलाफ टीम इंडिया के लिए दिन की विजयी शुरुआत की। दोनों ने सर्वसम्मति से 5-0 से मुकाबला जीता। प्राची टोकस (80+किग्रा) ने रूस की ओसिपोवा मारिया पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे रेफरी को जीत हासिल करने के लिए पहले दौर में ही मुकाबला रोकना पड़ा। दूसरी ओर, मेघा (80 किग्रा) ने ताकत और शक्ति का समान प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की त्सेंग एन ची के खिलाफ जीत हासिल की। रेफरी ने तीसरे राउंड में मुकाबला रोक दिया। विनी (57 किग्रा) आकांशा (70 किग्रा) और सृष्टि (63 किग्रा) ने अपने विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया।

हालां?कि विनी का मुकाबला ग्रीस की कांतजारी ओरियाना से था, जबकि आकांशा और सृष्टि का मुकाबला क्रमशः आयरलैंड की मैकडोनाग मैरी और कजाकिस्तान की के अलीना से था। निशा (52 किग्रा) ने पहले दौर में शुरुआती प्रभुत्व के बाद संघर्ष किया, लेकिन जल्द ही रूस की सिक्सटस डायना पर 4-1 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। लड़कों ने दमदार प्रदर्शन किया और पांच में से चार मुक्केबाजों ने जीत हासिल की। दो दिग्गज हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और हेमंत सांगवान (80+ किग्रा) ने बेलारूस के आर आंद्रेई और आर्मेनिया के के तिगरान के खिलाफ 5-0 की सर्वसम्मत निर्णय से आसान जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया।जतिन (54 किग्रा) का मुकाबला रूस केके पावेल से हुआ जो एक पल के लिए अधिक प्रभावशाली मुक्केबाज लग रहे थे लेकिन जतिन ने 4-1 से जीत अपने पक्ष में कर ली।

ब्रेडमैन ने 9 दशक बाद भी बरकरार रखा टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के 'सर' डॉन ब्रेडमैन ने 9 दशक बाद भी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड बरकरार रखा। 'सर' डॉन ब्रेडमैन को क्रिकेट का सर्वकालीन महान बैटर माना जाता है। वर्ष 1948 में करियर का आखिरी मैच खेलने वाले 'क्रिकेट के इस डॉन' ने कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए जो अब तक नहीं टूट सके हैं। इसमें टेस्ट क्रिकेट में सबसे ऊंचे औसत (99.94) का रिकॉर्ड शामिल है। डॉन टेस्ट में 'परफेक्ट 100' का औसत भी हासिल कर सकते थे लेकिन द ओवल में अपने आखिरी टेस्ट में वे 0 पर आउट हो गए। अगर वे 4 रन बना लेते तो उनका औसत 100 का हो जाता लेकिन ऐसा हो नहीं सका। यही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के इस बैटर का एक और रिकॉर्ड ऐसा है जो 9 दशक बाद भी नहीं टूट सका है। यह रिकॉर्ड किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का है। सर डॉन के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग मार्क टेलर, विव रिचड्र्स और ज्योफ बायकॉट जैसे बैटर टेस्ट क्रिकेट में अपनी चकाचौंध बिखेर चुके हैं लेकिन यह रिकॉर्ड अब तक कायम है।

बता दें ?कि वर्ष 1928 से 1948 के बीच क्रिकेट खेले ब्रेडमैन ने वर्ष 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज में 139.14 के जबर्दस्त औसत से 974 रन बनाए थे जिसमें चार शतक शामिल थे। एक टेस्ट सीरीज में किसी बैटर की ओर से बनाए गए यह सर्वाधिक रन हैं। टेस्ट क्रिकेट में कई बार छह टेस्ट की सीरीज भी आयोजित हुई है लेकिन ब्रेडमैन का यह रिकॉर्ड 93 साल बाद भी अटूट है। इस सीरीज के दौरान ब्रेडमैन का सर्वोच्च स्कोर 334 रन था जो उनके टेस्ट करियर का भी टॉप स्कोर रहा। ब्रेडमैन ने अपने 974 के स्कोर के साथ किसी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन के इंग्लैंड के वॉली हेमंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जिन्होंने 1928-29 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज में 113.12 के औसत से 905 रन बनाए थे।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले टॉप 5 बैटर

1. डॉन ब्रेडमैन (ऑस्ट्रेलिया):पांच टेस्ट में 974 रन (बनाम इंग्लैंड)
2. वॉली हेमंड (इंग्लैंड):पांच टेस्ट में 905 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया)
3. मार्क टेलर (ऑस्ट्रेलिया):6 टेस्ट में 839 रन (बनाम इंग्लैंड)
4. नील हॉर्वे (ऑस्ट्रेलिया):5 टेस्ट में 834 रन (बनाम दक्षिण अफ्रीका)
5. विव रिचड्र्स (वेस्टइंडीज):4 टेस्ट में 829 रन (बनाम इंग्लैंड)

महिला प्री?मियर लीग की नीलामी 9 को, गुजरात 5.95 करोड़ में 10 खिलाड़ी खरीदेगी

मुंबई (ईएमएस)। म?हिला प्रीमियर लीग की 9 दिसंबर को नीलामी होने वाली है। इसमें कुल 165 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्ल्यूपीएल का दूसरा संस्करण अगले साल फरवरी मार्च में आयोजित किया जाएगा। सभी 5 टीमों में अधिकतम 30 स्थान खाली हैं जिनमें से 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। सभी 5 टीमों में दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है जिनमें 21 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी के लिए सूचीबद्ध प्रमुख कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में वेदा कृष्णमूर्ति एस मेघना, मेघना सिंह और देविका वैद्य शामिल हैं। हालां?कि एसोसिएट देशों की 15 खिलाड़ी का नाम ऑक्शन पूल में है। इसमें यूएसए की तारा नॉरिस का नाम भी शामिल है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने भी अपना बेस प्राइस 30 लाख रुपए रखा है। 165 खिलाड़ियों में 104 खिलाड़ी भारत की हैं और 61 खिलाड़ी विदेशों की हैं। विदेशी खिलाड़ियों में 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों की हैं। कुल 56 खिलाड़ी ऐसी भी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। जब?कि 109 खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है।

म?हिला ??खिलाड़ी की 50 लाख बेस प्राइस में डिएंड्रा डॉटिन, विंडीज ऑलराउंडर तथा किम गार्थ, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज शा?मिल हैं। वहीं 40 लाख बेस प्राइस में एनाबेल सदरलैंड, ऑलराउंडर, जॉर्जिया वेयरहैम, ऑलराउंडर, एमी जोन्स, विकेटकीपर तथा शबनीम इस्माइल, तेज गेंदबाज शा?मिल हैं।

फ्रेंचाइजी वाइज खिलाड़ी की संख्या देखें तो दिल्ली के पास 15 ?खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 11.25 करोड़ खर्च हो चुके हैं जब?कि 2.25 करोड़ शेष रा??शि हैं, ?जिसे 3 स्लाट में खर्च करना है। इसी तरह गुजरात के पास 8 ?खिलाड़ी हैं ?जिनमें 3 ?विदेशी हैं। अब तक 7.55 करोड़ खर्च हो चुके हैं जब?कि 5.95 करोड़ शेष रा??शि हैं, ?जिसे 10 स्लाट में खर्च करना है। मुंबई के पास 13 ?खिलाड़ी हैं ?जिनमें 5 ?विदेशी हैं। अब तक 11.4 करोड़ खर्च हो चुके हैं जब?कि 2.1 करोड़ शेष रा??शि हैं, ?जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है। बैंगलोर के पास 11 ?खिलाड़ी हैं ?जिनमें 3 ?विदेशी हैं। अब तक 10.15 खर्च हो चुके हैं जब?कि करोड़ 3.35 करोड़ शेष रा??शि हैं, ?जिसे 7 स्लाट में खर्च करना है। यूपी के पास 13 ?खिलाड़ी हैं ?जिनमें 5 ?विदेशी हैं। अब तक 9.5 करोड़ खर्च हो चुके हैं जब?कि 4 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है।

कांग्रेस की हार के बाद पनौती बना मुद्दा, पाक क्रिकेटर ने किया तंज

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद एक बार ??फिर पनौती मुद्दा बन गया है। इसे लेकर विरोधी तंज भी कस रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूछ है- पनौती कौन है? यहां गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के दौरान ही क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। राहुल गांधी ने इसके लिए पीएम मोदी की स्टेडियम में मौजूदगी को जिम्मेदार ठहराया था। राहुल गांधी ने एक रैली के दौरान कहा, अच्छे भले टीएम इंडिया के लड़के खेल रहे थे। पनौती ने पहुंचकर हरा दिया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी के तमाम बड़े नेता पीएम मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल करने लगे। यही वजह है ?कि आज सोशल मीडिया में बीजेपी के समर्थकों ने कांग्रेस की हार को भुनाया है। वे सोशल मीडिया में पूछ रहे हैं अब बताओ पनौती कौन है?

यहां गौरतलब है कि रुझानों में मध्य प्रदेश में बीजेपी के खाते में 160 तो कांग्रेस के खाते में 67 सीटें जाती दिख रही हैं। वहीं, राजस्थना में बीजेपी 109 सीटों पर बढ़त बनाए हुई है। 74 सीटें कांग्रेस और 16 अन्य के खाते में जाती दिख रही हैं। 90 विधानसभा सीटों वाली छत्तीसगढ़ में बीजेपी को 55, कांग्रेस को 33 और अन्य को 2 सीटों पर बढ़त मिलती दिख रही है। हालां?कि तेलंगाना कांग्रेस के लिए अच्छी खबर लेकर आई है। यहां कांग्रेस 65 सीटों पर आगे चल रही है।

पीएम मोदी पर कटाक्ष करना पड़ा महंगा : भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जीतती दिख रही है। इसीलिये भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह है। वह लगातार जश्न मना रहे हैं। हालांकि कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाने की स्थिति में है। उत्साहित भाजपा नेता मीडिया में बयान दे रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता ने जो भरोसा दिखाया है। भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते हम जनता के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने जिस प्रकार की अभद्र टिप्पणियां प्रधानमंत्री मोदी पर कीं जिस प्रकार का कटाक्ष विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी पर किया वो कटाक्ष गांधी परिवार को महंगा पड़ा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह जीत खास है। देश को प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास है। इन चुनावों में यह उभरा है कि लोग डबल इंजन की सरकार चाहते हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियां फेल हो गईं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर वापस मुहर लगी है। विपक्ष ने जितना कीचड़ उछाला, उतना ही मोदी जी निखर कर आए और उतना ही कमल खिला है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के 4 राज्यों की जनता ने फिर एक बार अपना आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया है। ये सामान्य विजय नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त हुई है। प्रधानमंत्री मोदी हैं तो मुमकिन है। देश का हर युवा, महिला, हर गरीब आज इस बात से सहमत हो चुका है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि मध्य प्रदेश में शानदार जीत के लिए मैं राज्य की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं। ये पीएम मोदी की लोकप्रियता की जीत है।

आरबीआई के मौद्रिक नीति के फैसले पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

- भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर भी नजर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार के मजबूत रुख के बीच स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों की बदौलत बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के निर्णय के साथ भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार महंगाई में कमी आने से यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के दर वृद्धि चक्र को समाप्त करने की उम्मीद में वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख देखा गया। घरेलू बाजार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़ों और विनिर्माण गतिविधि में उल्लेखनीय उछाल से पर्याप्त बढ़ावा मिला। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार ने अपनी जीवंतता बनाए रखी, जिसे टाटा टेक्नोलॉजी की शानदार लिस्टिंग ने उजागर किया। इससे जोखिम भरी संपत्तियों में निवेशकों का विश्वास बढ़ा। पिछले सपताह मिडकैप और स्मॉलकैप ने लचीला रुख दिखाया। निवेशक सरकारी खर्च और बढ़ी हुई खपत के बारे में आशावान बने हुए हैं। मुद्रास्फीति में कमी से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ओपेक प्लस के आपूर्ति में कटौती करने के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। साथ ही बाजार की तेजी बनाए रखने में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल ने भी सकारात्मक योगदान दिया। इससे मौजूदा केंद्र सरकार के प्रति निवेशकों की भावनाएं मजबूत रही। बाजार के जानकारों के मुता?बिक इस सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिका, भारत और चीन में जारी होने वाले सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। साथ ही अगले सप्ताह 06 से 08 दिसंबर को आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। इसमें नीतिगत दरों को यथावत रखने की संभावना है। इससे विकास परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। इसके अलावा नवंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी बाजार में सकारात्मक गति जारी रहने का संकेत देती है। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सिंतबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। एफआईआई अगस्त में 20,620.65 करोड़ रुपये, सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 29,056.61 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

आटा और दाल की बढ़ सकती है कीमतें

नई दिल्ली (ईएमएस)। जहां एक ओर वै?श्विक बाजार में चावल की कीमतें 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं दूसरी ओर लोकल लेवल पर आम लोगों पर आटा और दाल पर महंगाई की मार पड़ सकती है। इसका प्रमुख कारण गेहूं और दालों का उत्पादन कम होना है। सूत्रों के मुताबिक अब तक गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी से ज्यादा कमी देखने को मिली है। वहीं दूसरी ओर दालों की बुवाई में 8 फीसदी तक की कमी देखने को मिली है। वैसे सरकार को उम्मीद है कि बारिश होने के बाद इस कमी को पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में आटा और दाल की कीमतों में इजाफा होगा, जिससे देश में महंगाई के घाव और ज्यादा गहरे होते चले जाएंगे। सूत्रों के अनुसार देश में गेहूं और दाल की बुवाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वास्तव में बारिश में कमी की वजह से बुवाई पर असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार देश में गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी की कमी आई है। इस साल अब तक गेहूं की बुवाई 141 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल समान अवधि में गेहूं की बुवाई 149 लाख हेक्टेयर हो चुकी थी। आंकड़ों के अनुसार इस साल दालों की बुवाई में 8 फीसदी की कमी देखने को मिल रही है। अब देश में 940 लाख हेक्टेयर में दालों की बुवाई हो चुकी है जबकि पिछले साल समान अवधि में ये बुवाई 103 लाख हेक्टेयर में हुई थी। इसका मतलब है कि इस साल दालों के उत्पादन में काफी गिरावट देखने को मिल सकती है जिससे पहले देश में महंगाई बढ़ने की संभावना है। अभी तक दोनों फसलों के लिए पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। सरकार को उम्मीद है कि बारिश होते ही कमी की पूर्ति हो जाएगी लेकिन जानकारों की मानें तो इसकी उम्मीदें कम ही है। अगर बुवाई नहीं बढ़ी तो देश में आटा और दाल का भाव बढ़ सकता है। जिससे देश में महंगाई दर में इजाफा देखने को मिल सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए रेणुका सिंह की टीम में वापसी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय महिला टीम में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की वापसी हुई है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और टेस्ट सीरीज खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगी। इन 2 टेस्ट मैचों के दौरान रेणुका, इशाक के साथ-साथ जेमिमाह रॉड्रिग्स भी टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। यह 2014 के बाद भारतीय ?पिच पर पहला महिला टेस्ट होगा। बता दें ?कि मिताली राज और झूलन गोस्वामी के संन्यास लेने के बाद भी भारत के लिए यह पहला टेस्ट है और हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट टीम की अगुवाई करेंगी। गौरतलब है ?कि श्रेयांका डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ी थीं। वह सीपीएल में खेलने वाली पहली भारतीय महिला थीं और उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए। फिलहाल वह इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए के लिए टी20 सीरीज खेल रही हैं। बाएं हाथ की स्पिनर इशाक डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थीं और 15 विकेट लेकर वह टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज़ बनीं।

इशाक और श्रेयांका के टी20 टीम में आने से राजेश्वरी गायकवाड़ और देविका वैद्य की जगह नहीं बन पाई है।

जानकारी के अनुसार अंडर-19 विश्व कप का हिस्सा रहीं बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप को भी टी20 टीम में जगह मिली है, वहीं कनिका आहूजा को टी20 टीम में बरकरार रखा गया है। टेस्ट मैचों में अनुभवी शिखा पांडे को जगह नहीं मिली है तो रेणुका ही 4 सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी। उनके साथ तितास साधु, मेघना सिंह और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को टीम में जगह मिली है। स्नेह राणा टेस्ट टीम में वापसी करती हुई नजर आएंगी। यह प्रमुख कोच अमोल मज़ूमदार का पहला कोचिंग असाइनमेंट भी होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उपकप्तान), जेमिमाह रॉड्रिग्स, शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधु, पूजा वस्त्रकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि को रखा गया है। जब?कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मांधना (उपकप्तान), जेमिमाह रॉड्रिग्स, शेफ़ाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देओल, सैका इशाक़, रेणुका सिंह, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़ को शा?मिल ?किया है।

महेश/ ईएमएस 03 ?दिसंबर 2023

जब मुंबई हवाई अड्डे पर अभिनेता शाहरुख खान को सुरक्षा गार्ड ने रोका

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई एयरपोर्ट पर हुई एक घटना इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है. दरअसल पिछले हफ्ते, बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान जब मुंबई हवाई अड्डे से उड़ान पकड़ने आए तो उन्हें हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार पर एक सुरक्षा गार्ड ने रोक दिया। इस कर्मचारी ने अपनी हरकतों से दिखा दिया कि शाहरुख का नियम भी वैसा ही है जैसे बाकी यात्रियों की जांच उनके चेहरे देखकर की जाती है. हुआ यूं कि शाहरुख हमेशा की तरह मुंबई एयरपोर्ट पर वीआईपी गेट के सामने नजर आए। इसके बाद शाहरुख अपनी लग्जरी कार से उतरे और एयरपोर्ट में प्रवेश करने के लिए मुख्य द्वार पर पहुंचे। इसी बीच पैपराजी शाहरुख के पीछे भागने लगे. वह शाहरुख की एक झलक कैमरे में कैद करने की कोशिश कर रहे थे। ऑल ब्लैक आउटफिट लुक में शाहरुख ने ब्लैक कार्गो पैंट, ब्लैक टी-शर्ट, ब्लैक जैकेट पहना हुआ था। जैसे ही शाहरुख प्रवेश द्वार के पास पहुंचे, उनके प्रबंधक ने सुरक्षा गार्ड को टिकट सौंप दिया। शाहरुख अपना पासपोर्ट पकड़े खड़े थे. सुरक्षाकर्मियों ने पासपोर्ट पर नाम और टिकट पर नाम का सत्यापन किया। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड ने कनखियों से यह भी जांचा कि पासपोर्ट पर लगी तस्वीर और सामने खड़े शाहरुख का चेहरा एक ही है या नहीं. ये पूरा मामला देखकर शाहरुख के बॉडीगार्ड के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई. शाहरुख भी मुस्कुराए और सुरक्षाकर्मियों द्वारा सत्यापन पूरा होने तक अपना पासपोर्ट दोनों हाथों से पकड़े रखा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और कई लोगों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं.

बीते सप्ताह तेल तिलहनों में गिरावट रही

- केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंकों का ऋण साखपत्र बरकरार रखने के लिए आयातित तेलों का कारोबार मुनाफे के बगैर भी जारी रखने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली को छोड़कर बाकी खाद्य तेल तिलहनों में गिरावट रही। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 20 रुपये घटकर 5,640-5,680 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 25 रुपये घटकर 10,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये का नुकसान दिखाते हुए क्रमशः 1,775-1,870 रुपये और 1,775-1,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 120-120 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 5,140-5,190 रुपये प्रति क्विंटल और 4,940-4,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये, 50 रुपये और 75 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 10,350 रुपये और 10,150 रुपये और 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव क्रमशः 150 रुपये, 300 रुपये और 45 रुपये के लाभ के साथ क्रमशः 6,750-6,825 रुपये क्विंटल, 15,700 रुपये क्विंटल और 2,335-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। गिरावट के आम रुझानों के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 50 रुपये के नुकसान के साथ 8,200 रुपये, पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये के नुकसान के साथ 9,075 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 30 रुपये के नुकसान के साथ 8,370 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव भी 25 रुपये गिरकर 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत में एफडीआई में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। केमन आइलैंड्स और साइप्रस से भारत में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-सितंबर 2023 की अवधि में केमन आइलैंड्स से भारत में एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 14.5 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 58.2 करोड़ डॉलर था। इसी तरह इस अवधि में साइप्रस से आने वाला निवेश भी 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.5 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल की समान छमाही में यह 76.4 करोड़ डॉलर था। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और औषधि क्षेत्रों में कम विदेशी निवेश आने से आलोच्य अवधि में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 अरब डॉलर रह गया। विशेषज्ञों ने साइप्रस और केमन से एफडीआई में तेज गिरावट के लिए आवेदनों की गहन जांच को जिम्मेदार ठहराया है। नांगिया एंडरसन इंडिया में साझेदार (नियामकीय) अंजलि मल्होत्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में कर बचत के लिहाज से बेहद आकर्षक माने जाने वाले सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से आने वाले एफडीआई प्रवाह में भी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि इन सभी देशों से विदेशी निवेश में आई गिरावट पहली छमाही के दौरान भारत में कुल एफडीआई में आई गिरावट के ही अनुरूप है। इस गिरावट का कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति के कारण बढ़ी हुई ब्याज दरों को माना जा सकता है।

नवंबर में एफपीआई ने इक्विटी में 9,000 करोड़ डाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। दो महीनों तक शुद्ध बिकवाल रहने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में फिर भारतीय शेयर बाजारों का रुख किया और करीब 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने पिछले महीने ऋण बाजार में 14,860 करोड़ रुपये का निवेश किया जो छह साल का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों के मुता?बिक आगे चलकर एफपीआई का रुख काफी हद तक घरेलू बाजार के रुझान से तय होगा। घरेलू बाजार पर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा ?कि इन राज्यों में नतीजे सत्तारूढ़ सरकार के लिए अनुकूल होने पर बाजार में तेजी आएगी। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशक भी उस तेजी का लाभ उठाने से नहीं चूकना चाहेंगे।

आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में कुल 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि एफपीआई ने मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय इक्विटी में खरीदारी की और इन छह महीनों में 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। भारतीय बाजार में एफपीआई के फिर से पैदा हुए आकर्षण की वजह अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को माना जा सकता है।पिछले महीने बाजार में दो कंपनियों इरेडा और टाटा टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों का तगड़ा समर्थन भी मिला।

एफ-35 फाइटर जेट को एक चिड़िया से टकराना पड़ा महंगा, बन गया कबाड़

-750 करोड़ के ?लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने मांगे 900 करोड़ रुपये

सियोल (ईएमएस)। दुनिया के सबसे महंगे और आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35ए स्टील्थ फाइटर जेट से एक चिड़िया का टकराना महंगा पड़ गया है। क्यों?कि 750 करोड़ के ?लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने 900 करोड़ रुपये मांगे है। इस लड़ाकू ?विमान के ?चि?डिया से टक्कर होने के बाद कबाड़ में बदलते देखकर पूरी दुनिया के डिफेंस एक्सपर्ट्स हैरान हैं। दर असल दक्षिण कोरियाई वायु सेना ने पिछले साल एक पक्षी से टकराने की घटना में काफी नुकसान होने के बाद एफ-35ए स्टील्थ विमान को अब सेवा रिटायर करने के अपने फैसले की घोषणा की है। जनवरी 2022 में एक ट्रेनिंग के दौरान एक पक्षी के टकराने के बाद एक दक्षिण कोरियाई एफ-35 पायलट को 'बेली लैंडिंग' करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिसके कारण एफ-35 के उड़ान सिस्टम में खराबी आ गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उस समय दक्षिण कोरिया की वायुसेना ने खुलासा किया था कि एफ-35 विमान को एक 10 किलो के ईगल ने टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना के कारण हाइड्रोलिक डक्ट और बिजली आपूर्ति केबल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे लैंडिंग गियर को चलाने में बाधा पैदा हुई।

नतीजतन, विमान को बेली लैंडिंग करनी पड़ी, लेकिन पायलट सुरक्षित रहा। इसके मरम्मत के खर्चों को जानकर दक्षिण कोरिया की एयरफोर्स के होश उड़ गए। विमान को बनाने वाली लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने लगभग 300 महंगे और जरूरी उपकरणों को खतरनाक नुकसान होना बताया। कंपनी ने मरम्मत की लागत लगभग 140 अरब वॉन (10.76 करोड़ डॉलर या 900 करोड़ रुपये के बराबर) बताई। जो उसकी खरीद की कीमत करीब 750 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। इसको देखते हुए वायु सेना ने एफ-35 को रिटायर कर देने में ही भलाई समझी है।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी

दुबई(ईएमएस)। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी बनाई है। दोनो ही देशों ने इस संकल्प पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया है। भारत और चीन ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी28) में 2030 तक दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के इस समझोते से पहले भारत ने जी20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान इसके लिए प्रतिबद्धता जतायी थी। यहां संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ता के दौरान, 118 देशों ने 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिबद्धता जताई।

इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का उद्देश्य दुनिया के समग्र ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। संकल्प का समर्थन करने वाले देशों में जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चिली, ब्राजील, नाइजीरिया और बारबाडोस शामिल हैं। हालांकि, चीन और भारत ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन उनमें से किसी ने भी शनिवार को औपचारिक रूप से समग्र संकल्प का समर्थन नहीं किया। इस प्रतिबद्धता में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना शामिल है। इसमें, कोयला से उत्पादन की जाने वाली बिजली में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने और कोयला चालित नए बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करने का आह्वान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने और सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए दुनिया को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना और ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करना होगा। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर द्वारा पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 14वीं राष्ट्रीय बिजली योजना (एनईपी) देश को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना से अधिक करने की राह पर ले जाती है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए नयी दिल्ली को 293 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। भारत का वर्तमान लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता तक पहुंचना है। भारत के फैसले पर भारतीय विशेषज्ञों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आयी है। सीनियर एसोसिएट और ई3जी में इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन लीड मधुरा जोशी ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य वाली वैश्विक संकल्प पर हस्ताक्षर नहीं करने के भारत के फैसले पर निराशा व्यक्त की।

इंस्टीटयूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस में दक्षिण एशिया के निदेशक विभूति गर्ग ने जी20 के हिस्से के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को तीन गुना करने की भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में सीओपी28 में दोहराया था। ऐसे में जब भारत नवीकरणीय ऊर्जा के लिए गंभीर महत्वाकांक्षाएं प्रदर्शित कर रहा, गर्ग ने कोयला के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से कम करने पर देश की चुप्पी का जिक्र किया।

विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) भारत में जलवायु की कार्यकारी निदेशक उल्का केलकर ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान अपनाए गए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के वैश्विक लक्ष्य को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऊर्जा दक्षता को स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर ने 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने की वैश्विक प्रतिबद्धता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के दोहरे लाभों पर जोर दिया।

यात्री बस पर आतंकियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 10 की मौत, 25 घायल

रावलपिंडी (ईएमएस)। पाकिस्तान में एक यात्री बस पर आतं?कियों ने अंधाधुध गोलीबारी की। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई जब?कि 25 अन्य घायल हो गए हैं। यह घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग की बताई जा रही है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डायमेर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (सेवानिवृत्त) आरिफ अहमद ने कहा कि घटना शनिवार शाम 6:30 बजे चिलास के हुदुर इलाके में हुई, जब आतंकवादियों ने बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए अधिकांश यात्री देश भर से थे, जिनमें कोहिस्तान, पेशावर, ग़िज़र, चिलास, राउंडु, स्कर्दू, मनसेहरा, स्वाबी और सिंध के एक या दो लोग शामिल थे। डायमेर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों में दो सैनिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट का एक सदस्य भी घायल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डायमर के पुलिस अधीक्षक सरदार शहरयार ने कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले लोग काराकोरम हाईवे (केकेएच) पुलिस कर्मी थे।

किसी की नहीं सुन रहा इजरायल, भीड़ वाले इलाकों में कर रहा है बमबारी

गाजा,(ईएमएस)। गाजा में आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कई देशों ने चिंता व्यक्त की है। इन देशों ने इजरायल से अपील की थी कि नागरिकों किसी भी सूरत में हानि नहीं होना चाहिए। इसके बाद भी इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में भीड़ भाड़ वाले ठिकानों पर हमला कर दिया जहां बड़ी संख्या में लोगों को मौत हो गई।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस क्षेत्र पर शासन करने वाले चरमपंथी संगठन हमास के साथ एक सप्ताह के संघर्ष विराम के बाद शुक्रवार सुबह फिर से शुरू हुई लड़ाई में कम से कम 200 फिलस्तीनी मारे गए हैं। हमास शासित गाजा के मंत्रालय ने अलग से घोषणा की कि सात अक्टूबर को इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 15,200 से अधिक हो गई है, मरने वालों की पूर्व संख्या 13,300 से काफी अधिक है।

युद्ध के कारण 'कनेक्टिविटी' और अस्पताल संचालन में व्यवधान आने के बाद मंत्रालय ने 11 नवंबर से दैनिक आधार पर कुल मृतकों का आंकड़ा देना बंद कर दिया था। मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन शनिवार को कहा कि मृतकों में 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे थे। इसने कहा कि पिछले दो महीनों में 40 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं। अस्थायी संघर्ष विराम के टूटने पर इजराइल से उसके निकटतम सहयोगी अमेरिका ने फिलस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया था। यह अपील युद्ध के पहले हफ्तों में जबरदस्त हवाई और जमीनी हमले के बाद आई जिसमें उत्तरी गाजा के बड़े क्षेत्रों को तबाह कर दिया गया और हजारों फलस्तीनी नगारिक मारे गए तथा हजारों लोग विस्थापित हुए। लगभग 20 लाख फलस्तीनी नागरिक, जो गाजा की लगभग पूरी आबादी है, अब क्षेत्र के दक्षिणी आधे हिस्से में सिमटकर रह गये हैं।

इजरायली सेना ने शनिवार को कहा कि उसने हवाई हमले, टैंकों से गोले दागकर और नौसेना की तोपों के जरिये पिछले दिन गाजा में हमास के 400 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थित खान यूनिस शहर और आसपास के इलाकों में किये गये 50 से अधिक हमले शामिल थे। कई घर और इमारतों को निशाना बनाया गया। जिस अस्पताल में शव ले जाए गए उसके अनुसार, दक्षिण के दीर अल-बलाह शहर में एक घर पर हुए हमले में तीन बच्चों सहित कम से कम नौ लोग मारे गए। अस्पताल पर रातभर किये गये हवाई हमले में मारे गए दो बच्चों समेत सात अन्य लोगों के शव भी प्राप्त हुए। इस बीच, गाजा में फलस्तीन के आतंकवादी समूहों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी इजराइल पर रॉकेटों की बौछार की। गाजा पट्टी के निकट समुदायों में सायरन की आवाज़ सुनी गई लेकिन किसी तरह की क्षति या किसी के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली। वहीं दूसरी तरफ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को दुबई में सीओपी28 जलवायु सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि वह आत्म रक्षा के इजरायल के अधिकार को स्वीकार करते हैं, लेकिन नागरिकों पर हमला करने का कोई अधिकार नहीं है।

युद्ध फिर से शुरू होने के साथ ही इजराइली सेना ने गाजा पट्टी को सैकड़ों पार्सल में विभाजित करने वाला एक ऑनलाइन मानचित्र प्रकाशित किया और निवासियों से कहा कि निकासी चेतावनियों से पहले वे अपने स्थान के पार्सल नंबर से परिचित हो जाएं। इजराइली सेना ने शनिवार को पहली बार इस तरह का मानचित्र प्रकाशित किया जिसमें खान यूनिस के उत्तर और पूर्व में गाजा शहर के आसपास के क्षेत्रों में दो दर्जन से अधिक पार्सल नंबर को सूचीबद्ध किया गया है। इसके अलावा सेना ने खान यूनुस के पूर्व के कस्बों पर स्थान खाली करने के आदेश वाले पर्चे भी गिराए।

मानचित्र और पर्चों ने दहशत, भय और भ्रम पैदा किया, खासकर भीड़भाड़ वाले दक्षिण में। उत्तरी गाजा या पड़ोसी देश मिस्र में जाने में असमर्थ लोगों के पास एकमात्र विकल्प 220 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के भीतर भटकना है। एक महीने पहले उत्तरी शहर बेत लाहिया से भागकर अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ खान यूनिस में शरण लेने के लिए आए इमाद हजर ने अफसोस के साथ कहा,जाने के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना ने पहले हमें उत्तर से खदेड़ा अब वे हम पर दक्षिणी क्षेत्र को छोड़ने का दबाव बना रहे हैं। उत्तरी गाजा में शहरी क्षेत्र जबालिया के शरणार्थी शिविर में शरण लेने वालीं अमल राडवान ने कहा कि उन्हें इस तरह के मानचित्र के बारे में जानकारी नहीं थी, उन्होंने कहा कि वह और शिविर में मौजूद कई अन्य लोग लगातार बमबारी के कारण वहां से निकलने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''हम नहीं जाएंगे। यहां भी मौत और वहां भी मौत है।

इजराइल का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों को निशाना बना रहा है और उसने आतंकवादियों पर नागरिक को हताहत करने का आरोप लगाया है। इजराइल का आरोप है कि आतंकवादी आवासीय इलाकों से अपना संचालन कर रहे हैं। इजराइल का कहना है कि उत्तरी गाजा में जमीनी हमले में उसके 77 सैनिक मारे गए हैं, लेकिन उसका दावा है कि उसने हजारों आतंकवादियों को मार गिराया है पर इसका कोई सबूत नहीं दिया है। नए सिरे से संघर्ष की शुरुआत से 136 बंधकों से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई हैं जो, इजरायली सेना के अनुसार, अब भी हमास और अन्य आतंकवादियों के कब्जे में हैं। संघर्ष विराम के दौरान 105 बंधकों को मुक्त किया गया था। हमास द्वारा बंधक बनाई गई 70 वर्षीय महिला को उसके किबुत्ज़ के अनुसार शनिवार को मृत घोषित कर दिया गया, जिससे मरने वाले बंधकों की ज्ञात संख्या आठ हो गई।

सिविल इंजीनियर द्वारा निर्मित विकास कार्यों को देश हमेशा याद रखेगा – राजमार्ग मंत्री

- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुजरात को 2000 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट दी

गांधीनगर (ईएमएस) सिविल इंजीनियर आधुनिक भारत के निर्माता हैं - विश्वकर्मा हैं। उनके द्वारा निर्मित सड़कों समेत विकास कार्यों को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी। इंजीनियरों द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्य ही आपका सबसे बड़ा अवार्ड है। केन्द्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को गांधीनगर में 82वें एनुअल इंडियन रोड कांग्रेस का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के लिए अच्छी सड़कें, डिज़ाइन और उत्तम बुनियादी ढाँचा बनाने का सौभाग्य आज के सिविल इंजीनियरों के हाथ में है, जिसे आप सभी निष्ठा से कर रहे हैं। केन्द्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में रविवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 82वीं एनुअल इंडियन रोड कांग्रेस अधिवेशन का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क निर्माण के क्षेत्र में लागत प्रभावी(कोस्ट इफेक्टिव), वैकल्पिक सामग्री विकल्प(अल्टरनेटिव मैटेरियल ऑप्शन), पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण (इकोलॉजिकल एंड एनवायरमेंटल प्रोटेक्शन) और समय प्रबंधन (टाइम मैनेजमेंट) महत्वपूर्ण चार चीजें हैं। इन चारों चीजों में तालमेल के अभाव के कारण रोड प्रोजेक्ट में विलंब होता है, जिससे कारण सरकार और कंपनियों को करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। मंत्री ने इस संबंध में मुंबई का उदाहरण दिया और कहा कि मुंबई में फ्लाई ओवर का काम करने वाली कंपनियों को ऑफर दिया गया था कि अगर वे समय अवधि से पहले काम पूरा करते हैं तो उन्हें 1 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा और एक दिन का विलंब होने पर 1.5 लाख का दंड लिया जाएगा। अच्छे उद्देश्य से किए गए कार्यों में भूल हो तो क्षमा योग्य हैं, लेकिन बुरे इरादे से किए गए कार्य कभी भी क्षमा योग्य नहीं होते। भारत सरकार के पास विकास कार्य करने के लिए धन की कोई कमी नहीं है, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी कार्य समय सीमा से पहले पूर्ण किए जाएं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार ने अहमदाबाद-धोळेरा राजमार्ग के निर्माण में लाखों टन प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग करके एक इकोलॉजिकल पर्यावरण का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। पर्यावरण को नष्ट कर विकास करना योग्य नहीं है। नई सड़क बनाने के लिए वृक्षों को काटने से बेहतर होगा कि उन्हें सही जगह पर ट्रांसप्लांट किया जाए। हमें भारत में नए आयामों के लिए युवाओं को अधिक प्रोत्साहित करना होगा, तभी हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकेंगे। सड़क के कार्यों में गुणवत्ता के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग करना पड़ेगा तभी हम देश को उत्तम सड़के दे पाएंगे। केन्द्रीय परिवहन मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि जहां भारत आज हर क्षेत्र में उन्नत टेक्नोलॉजी को बहुत महत्व दे रहा है, वहीं सड़क निर्माण क्षेत्र में भी इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और विशेष रूप से गुणवत्ता को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने और भारत को पांच ट्रिलियन की इकोनॉमी बनाने के लिए वैश्विक स्तर पर हो रही बेस्ट प्रैक्टिस से प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और इनोवेटिव विचारों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। गडकरी ने देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क निर्माण इंजीनियरिंग पर अधिक ध्यान देने का अनुरोध किया। उन्होंने देश की विकास दर को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल का उपयोग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के गांवों तक रोड कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए सबसे अधिक बजट खर्च किया है और इसकी भरपाई के लिए मुंबई में सड़क का कार्य पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से पूरा किया गया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी इनोवेटिव मॉडलों के माध्यम से रेवेन्यू जेनरेट किया जा सकता है। उन्होंने 82वें एनुअल रोड कांग्रेस के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सेंट्रल रोड फंड-सीआरएफ के अंतर्गत 1,000 करोड़ रुपए सहित सेतु भारत के अंतर्गत 1,000 करोड़ रुपए, इस प्रकार गुजरात को कुल 2000 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की भेंट दी।

ऑनलाइन जुआ खेलने वाला पकड़ा गया, फरार

मेहसाणा, ३ दिसंबर

रोमांचक मुकाबलों के बाद क्रिकेट पर सट्टा लगाने वाले भी सक्रिय रहे । जिसके चलते पुलिस को ऐसे सट्टेबाजों को पकड़ने की कार्रवाई करने में भी सफलता मिली है । इसी तरह स्थानीय पुलिस को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के मैचों के दौरान मेहसाणा में क्रिकेट सट्टेबाजी की जानकारी मिली थी । घटना के बाद मेहसाणा तालुका पुलिस टीम सतर्क हो गई और सूचना के आधार पर जांच शुरू कर दी । जिसमें पता चला कि मेहसाणा-राधनपुर रोड पर आरुष आइकॉन फ्लैट के पास इलाके में एक शख्स क्रिकेट खेल रहा था ।

पुलिस की एक टीम ने गोविंद भगवानदास पटेल नाम के एक व्यक्तिको उठाया, उससे पूछताछ की और उसके मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच की तो उसमें क्रिकेट पर सट्टेबाजी और जुए के लिए एक एप्लिकेशन मिला । एप्लिकेशन का उपयोग ऑनलाइन सट्टेबाजी खेलने के लिए किया जाता था । पुलिस ने मोबाइल जब्त कर जांच शुरू कर दी है । जिसमें आरुष आइकॉन फ्लैट में रहने वाले एक शख्स ने यह आवेदन देने को लेकर जांच शुरू कर दी है ।

सीएम की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

तीन राज्यों में बीजेपी की जीत के बाद जश्न मनाया गया

अहमदाबाद, ३ दिसंबर

तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, नेता, विधायक और पार्षद अहमदाबाद कर्णावती महानगर कार्यालय खानपुर में एकत्र हुए । इस दौरान अन्य लोगों ने ढोल नगाड़े के साथ गरबा गाकर अपना उत्साह जताया । कार्यकर्ताओं का कहना है कि पीएम मोदी ने सार्वजनिक रैलियां कीं और लोगों से अपील की, इन तीनों राज्यों के चुनाव नतीजों में बीजेपी को जीत मिली है। इस जश्न में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मौजूद रहे ।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ इन ३ राज्यों में बीजेपी ने अपने सांसदों और दिग्गज नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा था जिसमें बीजेपी को शानदार जीत मिली है । अहमदाबाद कर्णावती महानगर कार्यालय खानपुर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्र हुए ।

कर्णावती महानगर कार्यालय खानपुर में अहमदाबाद से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और मोदी सरकार के कार्यों के बारे में बताया । मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत का हर जगह जश्न मनाया जा रहा है । खासतौर पर गुजरात के सभी दफ्तरों में भी जश्न मनाया जा रहा है । सीएम कर्णावती महानगर कार्यालय खानपुर पहुंचे इस दौरान लोगों में उत्साह का माहौल था ।

२२ साल के युवक की मौत के साथ मरने वालों की संख्या ६ पहुंच गई

महमदाबाद, ३ दिसंबर

आज महमदाबाद के सोजली गांव के २२ वर्षीय विपुल सोढ़ा की इलाज के दौरान सुबह मौत हो गई । विपुल सोढ़ा सोजली गांव के मूल निवासी हैं । वह अपने मामा के गांव सिहुंज से मांडवी बिलोदरा गांव गया था । सिरप के कारण विपुल सोढ़ा की तबीयत खराब हो गई थी । इसलिए उन्हें पहले नडियाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया । बाद में, उन्हें आगे के इलाज के लिए नडियाद सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था । आज सुबह उनका निधन हो गया । इसके साथ ही खेड़ा जिले के सिरपाकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर ६ हो गई है ।

खेड़ा में आयुर्वेदिक सिरप घोटाले के संबंध में नडियाद ग्रामीण पुलिस स्टेशन में ५ लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की गई है । खेड़ा एसओजी पीआई डीएन चुडास्मा में शिकायतकर्ता बन गए हैं । सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है ।

खेड़ा में सिरप से हुई मौतों के मामले में राज्य भर में सिरप बेचने वालों पर छापेमारी की गई । पुलिस ने राज्य भर में सिरप बेचने वाले ३,२७१ स्थानों पर छापेमारी की । जिसमें अवैध सिरप बेचने के आरोप में ६७ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है । सिरप मामले में १२ एफआईआर और ९२ संज्ञेय शिकायतें दर्ज की गई हैं । राज्य में कुल २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और ३९१ लोगों से मुलाकात की गई है ।

आरोपियों के नामः नडियाद के योगेशभाई पारुमल सिंधी, बिलोदरा के नारायण उर्फ किशोरभाई सकलभाई सोढ़ा, ईश्वरभाई चनाभाई सोढ़ा, वडोदरा के नितिन कोटवानी, भावेश सेवकानी । खेड़ा के डीएसपी राजेश गढ़िया ने बताया कि ये आरोपी आयुर्वेदिक दवा की झूठी और नकली लेबल वाली बोतलें ऑर्डर कर बेच रहे थे । इन बोतलों में मौजूद ड्रिंक में मिथाइल अल्कोहल होता है और इस ड्रिंक को पीने से पीने वाले को शारीरिक नुकसान हो सकता है । इन सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा ३०४, ३०८, ३२८, ४६५, ४६८, ४७१, २७४, २७५, २७६, ३४, २०११ और गुजरात निषेध अधिनियम धारा ६५ (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है । नडियाद तालुका के बिलोदरा गांव में ५५ से अधिक लोगों ने आयुर्वेदिक सिरप का सेवन किया, जिनमें से बिलोदरा और महुधा तालुका के बागडू गांव के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है । फिलहाल पूरे मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है । जिन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड की कार्यवाही की जायेगी ।

सिरप बेचने वाले किशोर सोढ़ा किराने की दुकान चलाते हैं, दुकान में किशोर सोढ़ा का भाई ईश्वर भाई भी बेचता था । सिरप योगेश सिंधा नामक व्यक्तिसे लाया गया था । जिन्हें वडोदरा के नितिन और भावेश से लाया गया था । सिरप वडोदरा दिवाली से पहले प्राप्त किया गया था ।

लोकसभा चुनाव में भाजपा लगाएगी जीत की हैट्रिक, मोदी तीसरी बार बनेंगे देश के प्रधानमंत्री : पाटील

नवसारी (ईएमएस) मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनावों में शानदार जीत से भाजपा फूली नहीं समा रही है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी और नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। नवसारी में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में सीआर पाटील ने कार्यकर्ताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और कहा कि तीन राज्यों में भाजपा की जीत के लिए वहां के कार्यकर्ताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी। दरअसल अगले वर्ष होनेवाले लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अनेक कार्यक्रमों के जरिए अपने कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा वोट हासिल करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके अंतर्गत नवसारी जिला भाजपा की ओर से नवसारी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाविष्ट नवसारी, जलालपोर और गणदेवी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए नए वर्ष में स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में सीआर पाटील के अलावा प्रभारी मंत्री और राज्य के वित्तमंत्री कनुभाई देसाई खास तौर पर मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए सीआर पाटील ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत मिलने पर खुशी जाहिर की। खासकर चुनावी जंग में नवसारी लोकसभा में उपयोग की गई पन्ना समिति की रणनीति कार्यकर्ताओं के कारण ही सार्थक होने पर गर्व करते हुए गुजरात की 26 लोकसभा सीटों पर 5 लाख से ज्यादा वोटों की लीड से जीतने का संकल्प किया। पाटील ने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और केन्द्र में भी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हैट्रिक लगाएगी।

गुजरात में स्क्रब टाइफस बीमारी का पहला मामला

जंगल में एक महिला को कान के नीचे किसी कीड़े ने काट लिया

सूरत, ३ दिसंबर

सूरत न्यू सिविल अस्पताल में स्क्रब टाइफस का पहला मामला सामने आया है । चिगार नामक कीड़े के काटने के बाद ५१ वर्षीय एक महिला ओरिएंटा सुसुगामुशी नामक बैक्टीरिया के कारण होने वाली स्क्रब टाइफस नामक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गई । जिसका सफलतापूर्वक निदान कर लिया गया है ।

नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा की रहने वाली एक आदिवासी महिला को नवी सिविल में १७ दिनों के गहन उपचार के बाद नया जीवन मिला है। नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा तालुक के कंबुडी गांव की रहने वाली ५१ वर्षीय आदिवासी महिला को सूरत न्यू सिविल अस्पताल में १७ दिनों के इलाज के बाद पहली बार पुनर्जीवित किया गया है । पास में ही स्क्रब टाइफस नामक बीमारी का पता चला । जिसका पहला मामला सूरत न्यू सिविल में सामने आया है ।

दिवाली से पहले जंगल में सीताफल तोड़ते समय एक आदिवासी महिला को कान के नीचे पतंगे ने काट लिया । शुरुआत में उनके कान के नीचे सूजन और गंभीर सिरदर्द हुआ और उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया । दो दिनों तक उसका इलाज करने के बाद डॉक्टरों द्वारा उसे दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए कहने पर परिवार के सदस्यों ने उसे १७ नवंबर को नवी सिविल में भर्ती कराया ।

एक महिला मरीज को बुखार, लीवर, किडनी और फेफड़ों में सूजन की शिकायत बताई गई । डॉ । अश्विन वसावा के मार्गदर्शन में तुरंत गौरीबेन का इलाज शुरू किया गया । सांस लेने में तकलीफ के कारण शुरुआत में १० दिनों तक वेंटिलेटर पर रखा गया, इसके बाद किडनी के इलाज के लिए चार से पांच डायलिसिस सत्र हुए ।

इस प्रकार, नियमित दवाओं और डॉक्टरों के महान प्रयासों के कारण महिला पूरी तरह से ठीक हो गई है । बीमारी का कारण जानने के लिए सूरत की एक निजी लैब में परीक्षण के बाद स्क्रब टाइफस की रिपोर्ट एनसीडीसी, दिल्ली को भेजी गई थी । वहां से भी रिपोर्ट पॉजिटिव आई और पता चला कि स्क्रब टाइफस नाम की बीमारी ओरिएंटा सुसुगामुशी नाम के बैक्टीरिया से होती है ।

खेडा सिरप कांड के बाद गुजरात पुलिस की राज्यभर में तीन हजार से अधिक जगहों पर दबिश

अहमदाबाद (ईएमएस) खेडा जिले में सिरप के सेवन से पांच लोगों की मौत के बाद गुजरात पुलिस ने सिरप विक्रेताओं पर शिकंजा कसते हुए राज्यभर में 3271 स्थलों पर रेड कर कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 12 एफआईआर और 92 सूचनार्थ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। बता दें कि खेडा में सिरप पीने से 5 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद गुजरात पुलिस हरकत में आ गई है और सिरप विक्रेताओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने सिरप बेचने वाले को धरदबोचने के लिए 3271 स्थलों पर रेड की। इस कार्यवाही के तहत पुलिस ने गैरकानूनी तौर पर सिर बेचने वाले 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि सिरप मामले में 12 एफआईआर और 92 लोगों के खिलाफ सूचनार्थ प्राथमिकी दर्ज की। सिरप मामले में राज्य में कुल 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 391 के साथ बैठकें की गईं। दूसरी ओर खेडा जिले में सिरप कांड में गिरफ्तार तीन आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने 14 दिन की रिमांड मांगी थी। नडियाद ग्रामीण कोर्ट ने आरोपियों को 11 दिसंबर तक पुलिस कस्टडी मंजूर की है। फिलहाल पूरे मामले की एसआईटी जांच कर रही है।

राजस्थान के सहप्रभारी नितिन पटेल ने तीन राज्यों में जीत पर कहा- देश के लिए आज काफी शुभ दिन है

अहमदाबाद (ईएमएस) राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के अब तक आए रुझानों से स्पष्ट हो चुका है कि तीन में भाजपा और एक में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में शानदार प्रदर्शन के लिए भाजपा नेता और कार्यकर्ता गदगद हैं। तीन राज्यों में जीत की ओर अग्रसर भाजपा के राजस्थान के सहप्रभारी और गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि आज का दिन देश के लिए काफी शुभ है। देश की जनता जिस दिन की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रही थी वह दिन आज आ गया है। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आ रहे हैं और मुझे खुशी के साथ गर्व है कि तीन मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। देशभर के भाजपा के अनेक नेता और कार्यकर्ताओं की मेहनत परिणाम तीन राज्यों के चुनाव में सामने आ रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार थी और शिवराजसिंह चौहान ने जनहित में जो काम किए हैं, उस पर भरोसा करते हुए लोगों ने फिर एक बार चुना है। नितिन पटेल ने कहा कि राजस्थान में भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन पहले ही बना चुके थे। राजस्थान में मुझे सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। फिलहाल राजस्थान में भाजपा 115 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है और यह कहना गलत नहीं होगा राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी। राजस्थान का सह प्रभारी होने के नाते मुझे आनंद और गर्व है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कई लोगों ने कांग्रेस सरकार को सबसे भ्रष्ट सरकार बताया था। इतना ही नहीं यह भी बताया कि हिन्दू समुदाय को नुकसान पहुंचाने का काम चल रहा था। भगवान की शोभा यात्रा पर रोक लगाने का प्रयास किया जाता और दूसरे समुदाय को खुली छूट दी जाती थी। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल की हत्या ने राजस्थान के लोगों को झकझोर कर रख दिया और तभी उन्होंने एक राष्ट्रभक्त सरकार बनाने का ठान लिया था। जो सभी का सम्मान करे, हिन्दू धर्म और संस्कृति की रक्षा करे ऐसी सरकार का सपना राजस्थान के लोगों का आज पूरा हो रहा है।

उत्तर गुजरात के अरावली, साबरकांठा में बारिश हुई

अहमदाबाद, ३ दिसंबर

गुजरात में मानसून की भारी बारिश हुई है । रविवार और सोमवार को मौसम विभाग ने गुजरात में बारिश का पूर्वानुमान जताया था ।

इस बीच शनिवार रात से राज्य के कई जिलों में बेमौसम बारिश हुई है । साबरकांठा, अरावली, वडोदरा और दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश का कहर टूटा है। शनिवार देर शाम से इन जिलों में बारिश ने दस्तक दे दी है । जिससे वातावरण में ठंडक बनी हुई है । साबरकांठा जिले में कल बेमौसम बारिश हुई। जिले के आठ में से पांच तालुकाओं में बेमौसम बारिश हुई। आज सुबह ४ से ६ घंटे के दौरान बेमौसम बारिश दर्ज की गई। जिसमें खेड़ ब्रह्मा में ०२ मिमी, वडाली में ०२ मिमी, इदार में ०२ मिमी, हिम्मतनगर में ०४ मिमी, तलोद में १० मिमी बारिश दर्ज की गई । मावठा का असर अरावली में भी महसूस किया गया । अल सुबह धनसुरा, शामलाजी, इसरोल आदि इलाकों में बारिश हुई। भिलोदा और मालपुर में भी बारिश हुई । बेमौसम बारिश से किसान चिंतित हो गये हैं । जिले की कपास, तुवर सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान की आशंका है । वडोदरा में भी बेमौसम बारिश हुई । पदरा पंथक में देर रात भारी बारिश हुई। पादरा शहर समेत कई इलाकों में शनिवार देर रात बारिश से ठंड का माहौल है ।

तीन राज्यों में बम्पर जीत से गुजरात भाजपा मुख्यालय में जश्न, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सन्नाटा

अहमदाबाद (ईएमएस) तीन राज्यों में भाजपा बंपर जीत की ओर बढ़ रही है, जिसे लेकर देशभर के नेता और कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया तो वहीं कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव गांधी भवन में सन्नाटा पसरा रहा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के रुझान सामने आते ही कहीं खुशी तो कहीं गम का नजारा दिखने लगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की और दक्षिण भारत के तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। तीन राज्यों में जीत से गद गद भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं में प्रदेश मुख्यालय कमलम में आतिशबाजी कर जश्न मनाया। ढोल नगारों के साथ नेता और कार्यकर्ता जीत की खुशी नाचते दिखे। वहीं अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में सन्नाटा पसरा रहा। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पर एक भी कार्यकर्ता नहीं दिखा। कांग्रेस मुख्यालय का मुख्य द्वार भी बंद रहा। अब तक मिले रुझाने के मुताबिक राजस्थान में भाजपा 116 और कांग्रेस 70 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा 160 और कांग्रेस 68, छत्तीसगढ़ में भाजपा 55 और कांग्रेस 32 सीटों पर आगे चल रही हैं। जबकि तेलंगाना में कांग्रेस 64 और बीएसआर 40 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।

फर्जी छात्र वीजा देकर साढ़े आठ लाख की ठगी

आणंद में कंसल्टेंसी ने युवक को लाखों का चूना लगाया

आणंद, ३ दिसंबर

आणंद शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है कि आणंद के एक युवक ने वीजा कंसल्टेंसी ऑफिस खोलकर फर्जी स्टूडेंट वीजा देने का झांसा दिया और साढ़े आठ लाख की ठगी की । पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और आगे की जांच की । यूके स्टूडेंट वीजा के नाम पर विरसद के युवक से ८ ।५० लाख की धोखाधड़ी की गई । इसके साथ ही खुलासा हुआ है कि वासद और नवली के अन्य तीन विदेशी पक्षियों को भी जहर दिया गया है । यह पता चला है कि नेक्स्ट डेस्टिनेशन के सकलेन उर्फ अमन दीवान ने यूके से फर्जी ऑफर लेटर बनाया और पासपोर्ट पर यूके का फर्जी स्टूडेंट वीजा स्टिकर चिपका दिया । आनंदना विर्सादनो ऋुपाल नाम का युवक आगे की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाना चाहता था । जिसके लिए उन्होंने आनंद की नेक्स्ट डेस्टिनेशन कंसल्टेंसी से संपर्क किया और उन्हें छात्र वीजा की पेशकश की । जिसके मुताबिक १० लाख रुपये तय हुए थे । जिसमें युवक के पास प्रवेश और वीजा के साथ पासपोर्ट भी मिला, लेकिन युवक को संदेह हुआ कि स्टांप फर्जी है । तो युवक ने जांच की तो पता चला कि उसे जो वीजा मिला है वह गलत है । पूरे मामले पर युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है । पूरे मामले में आनंद टाउन पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज किया और आनंद राज्य पुलिस ने आरोपी सकलैन उर्फ ??अमन दीवान को गिरफ्तार कर दो दिन की रिमांड पर लिया । रिमांड के दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है । आणंद एसओजी पुलिस ने सकलेन उर्फ अमन को विधिवत गिरफ्तार कर आनंद कोर्ट में पेश किया और आगे की जांच के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया । रिमांड के दौरान उसने कबूल किया कि वह यह यूके का फर्जी ऑफर लेटर और पासपोर्ट पर चिपकाए गए जाली वीजा स्टिकर कड़ी के जयेश पटेल नाम के व्यक्ति से लाया था । इसलिए पुलिस जयेश पटेल को पकड़ने के प्रयास में जुट गई है । सकलेन उर्फ ??अस पिछले ढाई-तीन साल से नेक्स्ट डेस्टिनेशन के नाम पर वीजा ऑफिस खोलकर फर्जी वीजा का संचालन कर रहा था । अब तक कोई भी इन फर्जी वीजा स्टिकर के आधार पर विदेश नहीं गया है और इस दिशा में भी जांच की गई है । फिर इस घटना में अभी भी कई बड़े खुलासे होने की संभावना है ।

मृत भिक्षुक के झोले से मिले रु. 1.14 लाख, भूख से मौत होने की चर्चा

वलसाड (ईएमएस) वलसाड से एक चौंका देनेवाली घटना सामने आई है। एक मृत भिक्षुक के झोले से रु. 1.14 लाख मिलना चर्चा का विषय बन गया है। चर्चा है कि भिक्षुक की मौत भूख के कारण हुई है। घटना दक्षिण गुजरात वलसाड की है। वलसाड के राम रोटी चौक क्षेत्र की लाइब्रेरी के सामने एक भिक्षुक दो दिन से पड़ा हुआ था। उसके शरीर में कोई हलन चलन ना देख स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्ब्युलैंस 108 को इसकी जानकारी दी। बेहोशी की हालत में भिक्षुक को उपचार के लिए वलसाड सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि भिक्षुक के झोले से रु. 1.14 लाख बरामद हुए हैं। जो चर्चा का विषय बन गया है। चर्चा यह भी हो रही है कि भिक्षुक की मौत भूख की वजह से हुई है। अगर ऐसा है तो आखिर भिक्षुक ने इतने रुपए क्यों जमा कर रखे थे? फिलहाल भिक्षुक से मिले रुपए पुलिस को सौंप दिए गए हैं।

चाचा का हत्यारा भतीजा पकड़ा गया

दांतीवाड़ा बांध में शव फेंकते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई

चाचा की जमीन पर नजर गड़ने के कारण भतीजे ने भगिया के साथ मिलकर चाचा की हत्या कर दी

पालनपुर, ३ दिसंबर

बनासकांठा जिले में हत्या का एक और अपराध सामने आया । हाल ही में जिला पुलिस ने एक और हत्या को कम करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर एक के बाद एक अनसुलझी हत्याओं की गुत्थी सुलझा ली है । पालनपुर तालुका के सांगला गांव में यह मामला सामने आया है कि भतीजे का अविवाहित चाचा की जमीन पर दावा था, जिसके लिए उसने चाचा की हत्या कर दी ।

घटना के संबंध में पालनपुर तालुका पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, मुलजीभाई भुटडिया अविवाहित थे । वह अपने भतीजों के साथ रहता था और खुद खेती करके परिवार की मदद करता था । मूलजी भाई के पास जमीन का उत्तराधिकार कोई और था और भतीजे को संदेह था कि वह अपनी जमीन बेच देगा ।

इस बात को लेकर भतीजा अक्सर चाचा से भिड़ जाता था । और वह जमीन किसी और को बेचने को लेकर संशय में था । इसलिए पिछले शुक्रवार को उसने मौका पाकर खेत से भागे लोगों के साथ मिलकर दोपहर में अपने चाचा की हत्या कर दी । चाचा मूलजीभाई खाट पर बैठे थे । उस समय उनका गला रस से रुंध गया था । इस तरह चाचा की गला दबाकर हत्या कर दी गई ।

मुख्यमंत्री का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़क ब्रिज निर्माण में क्वालिटी वर्क एप्रोच और वैश्विक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का अनुरोध

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर में केन्द्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थितिमें 82वें एनुअल इंडियन रोड कांग्रेस के उदघाटन अवसर पर कहा कि राष्ट्र और राज्य के विकास को गति देने में सुदृढ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को महत्वपूर्ण कारक बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए ''विकसित भारत 2047'' को साकार करने के लिए रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़क व ब्रिज निर्माण में क्वालिटी वर्क एप्रोच और वैश्विक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ वर्षों में देश में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क के विस्तृतीकरण पर बहुत ध्यान दिया है। देश में 54 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण विस्तार किया गया है। देश में 99३ गांवों को रोड कनेक्टिविटी मिल गई है और मजबूत रोड नेटवर्क और इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक विकास का उत्प्रेरक (केटलिस्ट) बन रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इंडियन रोड कांग्रेस के सदस्यों को स्टेबल नेटवर्क का केटलिस्ट एजेंट बताते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की समस्या के बदलते वातावरण के साथ सड़क निर्माण और ब्रिज डिजाइन में समयानुकूल बदलाव जरूरी है। उन्होंने निर्माण कार्यों में ग्लोबल टेक्नोलॉजी और अपडेटेड मशीनरी के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए आईआरसी द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों का लाभ लेने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित तकनीक और मशीनरी इंजीनियरों और कांट्रेक्टर्स दोनों के लिए उपयोगी होगी। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि देश में विकास के रोल मॉडल गुजरात को अमृतकाल में 82वें आईआरसी कन्वेंशन का मेजबान राज्य होने का गौरव मिला है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अधिवेशन में देश भर से सहभागी हुए आईआरसी सदस्यों को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद चिन्हों पर चलते हुए गुजरात ने सड़क निर्माण सहित अन्य कार्यों के लिए इस वर्ष बजट में 20,600 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया है। इतना ही नहीं, राज्य में टूरिज्म डेवलपमेंट के लिए टूरिज्म सर्किट हेतु 600 करोड़ और सीमावर्ती इलाकों के अंतिम छोर पर स्थित गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने के लिए प्रगतिपथ के अंतर्गत 500 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में छोटे-बड़े पुलों का सर्वेक्षण कराया गया है और आवश्यकतानुसार कार्यों को प्राथमिकता दी गयी है। वहीं राज्य के पांच हाईस्पीड कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस अधिवेशन के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आईआरसी की कॉफी टेबल बुक और स्मारिका का विमोचन भी किया। सड़क क्षेत्र में श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले विभिन्न राज्यों के इंजीनियरों को महानुभावों के करकमलों से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्रियों ने महात्मा मंदिर में इंडियन रोड कांग्रेस-आईआरसी द्वारा आयोजित 121 स्टालों के विशाल प्रदर्शन का अवलोकन कर रोचक जानकारी प्राप्त की।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96